twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 06 जुलाई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 230, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

न्यायाधीश निष्ठा से करें काम: चीफ जस्टिस गवई

संविधान की व्याख्या समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर व्यावहारिक ढंग से की जानी चाहिए

मुंबई/एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को कहा कि कानून या संविधान की व्याख्या समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर व्यावहारिक ढंग से की जानी चाहिए। मुंबई में बॉम्बे हाईकोर्ट की तरफ से उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि न्यायालयों को समाज की समस्याओं को समझते हुए फैसले देने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, 'कानून या संविधान की व्याख्या आज की पीढ़ी की समस्याओं के संदर्भ में होनी चाहिए। यह व्याख्या व्यावहारिक होनी चाहिए और समाज की जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए।'

न्यायाधीशों को निष्ठा से काम करने की सलाह

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायाधीशों को अपने विवेक, पद की शपथ और कानून के अनुसार काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एक बार जब कोई मामला निपट जाए, तो न्यायाधीश को उसका पीछा छोड़ देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए।

'कुछ न्यायाधीशों के व्यवहार पर शिकायतें मिलीं'

सीजेआई गवई ने यह भी खुलासा किया कि हाल ही में उन्हें कुछ न्यायाधीशों के असभ्य व्यवहार की शिकायतें मिली हैं।

उन्होंने सभी न्यायाधीशों से आग्रह किया कि वे इस प्रतिष्ठित संस्था की छवि को बनाए रखें। उनका कहना था, 'न्यायाधीश होना सुबह 10 से शाम 5 तक की नौकरी नहीं है, बल्कि यह समाज और देश की सेवा करने का एक अवसर है।

कृपया ऐसा कुछ न करें जिससे न्यायपालिका की छवि को ठेस पहुंचे।' न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में नियुक्तियों के दौरान कॉलेजियम इस बात का पूरा ध्यान रखता है कि योग्यता, विविधता और समावेशिता (इन्क्लूसिवनेस) बनी रहे। उन्होंने कहा, 'किसी भी कीमत पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जाएगा।' मुख्य न्यायाधीश ने बॉम्बे हाईकोर्ट की तारीफ करते हुए कहा कि यहां उन्होंने वकील और फिर न्यायाधीश के रूप में सेवा की है और जब लोग इस कोर्ट के फैसलों की तारीफ करते हैं तो उन्हें गर्व महसूस होता है।

अंत में उन्होंने सभी न्यायाधीशों से अपील की कि वे अपनी शपथ और कर्तव्य के प्रति सच्चे रहें और इस संस्था की प्रतिष्ठा को बनाए रखें, जो कई पीढ़ियों के वकीलों और न्यायाधीशों की मेहनत से बनी है।

'न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जाएगा'

न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में नियुक्तियों के दौरान कॉलेजियम इस बात का पूरा ध्यान रखता है कि योग्यता, विविधता और समावेशिता (इन्क्लूसिवनेस) बनी रहे। उन्होंने कहा, 'किसी भी कीमत पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जाएगा।' मुख्य न्यायाधीश ने बॉम्बे हाईकोर्ट की तारीफ करते हुए कहा कि यहां उन्होंने वकील और फिर न्यायाधीश के रूप में सेवा की है।

'बच्चों की सुरक्षा सिर्फ कानून का नहीं, नैतिक दायित्व भी'

जज जस्टिस सूर्यकांत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई बच्चा अपने साथ हुए अपराध की बार-बार पुलिस, शिक्षक, डॉक्टर, वकील और फिर जज के सामने कहानी सुनाता है, तो उसकी आवाज कमजोर पड़ जाती है। यही सिस्टम की असल खामी है। है कि बच्चे की तकलीफ नजरअंदाज कर देता है, तब असल में हम दोनों को ही नुकसान पहुंचाते हैं। यह समस्या सिर्फ संयोग नहीं, बल्कि सिस्टम की मूलभूत कमजोरी है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सिर्फ कानूनी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है। भारत जैसे सामाजिक देश में यह संविधान का भी वादा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के पुनर्वास को किसी फुटनोट की तरह नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की बुनियाद बनाना होगा।

बच्चों की सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

जस्टिस सूर्यकांत बोले- अब बच्चों को गवाह नहीं, इंसान समझिए

हैदराबाद/एजेंसी

देश में बच्चों के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। लेकिन दुख की बात यह है कि ऐसे मामलों में न्यायिक व्यवस्था और बच्चों की सुरक्षा का सिस्टम खुद बच्चों के लिए परेशानी का सबब बन जाता है। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत ने इसी पर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा ढांचा अभी भी बिखरा हुआ है और पूरी तरह सक्षम नहीं है। हमें बच्चों को सिर्फ गवाह नहीं, बल्कि पूरी देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले इंसान की तरह देखने की सोच विकसित करनी होगी। हैदराबाद में पॉक्सो कानून पर आयोजित स्टेट लेवल मीट 2025 के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में न्याय व्यवस्था को बच्चों के जख्मों को और न बढ़ाने वाला बनाना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक बच्चे सही मायनों में न्याय महसूस नहीं करते, तब तक हमारा काम अधूरा है।

सिर्फ अदालत नहीं, बाहर भी चाहिए बच्चों की सुरक्षा

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सिर्फ अदालत के अंदर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्हें घर, स्कूल, मोहल्ले और समाज में हर जगह सुरक्षित महसूस कराना जरूरी है।

ब्रिटेन में रह रहा हथियार डीलर संजय भंडारी भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज संजीव अग्रवाल ने हथियार डीलर संजय भंडारी को मनीलांड्रिंग मामले में भगोड़ा घोषित कर दिया। कोर्ट ने ईडी की याचिका पर फैसला सुनाया। ईडी ने याचिका दायर कर कहा था कि संजय भंडारी जानबूझ कर कोर्ट की कार्यवाही से भाग रहा है। संजय भंडारी के पास 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। भंडारी का भारत में प्रत्यर्पण करने की उसकी मांग को ब्रिटेन की कोर्ट से खारिज किए जाने से कोर्ट की कार्यवाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत का कानून स्वतंत्र है और यहां के कोर्ट भारतीय कानून से बंधे हुए हैं। सुनवाई के दौरान संजय भंडारी के वकील मनिंदर सिंह ने कहा था कि आरोपित का लंदन में आवास वैध है और उसका लंदन हाई कोर्ट ने भी समर्थन किया है। लंदन हाई कोर्ट ने तिहाड़ जेल में संजय भंडारी की जान को खतरा बताते हुए उसे प्रत्यर्पित करने से इनकार कर दिया था। मनिंदर सिंह ने कहा था कि ईडी की याचिका अस्पष्ट है, उसने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिसंबर, 2023 में ईडी की ओर से संजय भंडारी के खिलाफ दाखिल पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। पूरक चार्जशीट में संयुक्त अरब अमीरात के बिजनेस मैन सीसी थम्पी और ब्रिटेन स्थित व्यवसायी सुमित चड्ढा का नाम शामिल किया है। उनमें से संजय भंडारी कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा का कथित तौर पर करीबी सहयोगी है। ईडी के मुताबिक उसने सुमित चड्ढा और उसकी पत्नी को समन जारी किया लेकिन दोनों जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए।

स्वप्नेश्वर महादेव मंदिर को एएसआई ने घोषित किया संरक्षित स्मारक

भुवनेश्वर/एजेंसी

ओडिशा के खोरधा जिले के पुंजीआमा गांव में मौजूद छठवीं सदी का प्राचीन स्वप्नेश्वर महादेव मंदिर को अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने राष्ट्रीय महत्व का संरक्षित स्मारक घोषित कर दिया है। यह घोषणा 2 जुलाई को जारी गजट अधिसूचना के जरिए की गई।

बीस साल बाद एक हुए ठाकरे बंधु

मुंबई/एजेंसी

उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) की संयुक्त रैली में उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि वे साथ रहने के लिए साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि हम दोनों ने उनकी इस्तेमाल करो और फेंको नीति का कड़वा अनुभव लिया, अब हम उन्हें राजनीति से बाहर फेकेंगे। मुंबई के वर्ली डोम में आयोजित इस संयुक्त रैली में उद्धव ठाकरे ने मनसे के साथ यूबीटी के गठबंधन की घोषणा की। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कई सालों बाद राज ठाकरे और वे एक साथ सार्वजनिक मंच पर मिले। हम सभी ने उनकी उपलब्धियां देखी हैं। हर बार यह सवाल उठाया गया था कि क्या हम एक साथ आएंगे। अब हम साथ आए हैं, लोग हमें तोड़ने की कोशिश करेंगे। आरोप लगाया जा रहा है कि हमारा मिलन मराठी के लिए नहीं बल्कि नगर निगम के लिए है। हालांकि, हम सत्ता के लिए नहीं बल्कि मराठी के लिए साथ आए हैं। वे हमारे बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम मराठी भाषा की पालकी के कहार बनेंगे और मराठी भाषा को पालकी में बिठाएंगे। हम किसी दूसरी भाषा के खिलाफ नहीं लेकिन हम हिंदी की अनिवार्यता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री रहते हिंदी को अनिवार्य नहीं किया था। उद्धव ने कहा कि यदि आप मराठी लोगों के लिए न्याय की मांग करने वालों को गुंडे कहते हैं,तो हम गुंडे हैं। उद्धव ठाकरे ने सवाल किया कि यदि आपको महाराष्ट्र में बालासाहेब ठाकरे का समर्थन नहीं होता तो क्या हमें हिंदुत्व सिखाने वाले सत्ता में होते? एकजुट होना जरूरी है जैसा कि हमने संयुक्त महाराष्ट्र समिति के दौरान किया था।

वक्फ कानून: केंद्र ने नए नियमों का नोटिफिकेशन जारी

सभी वक्फ संपत्ति का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होगा, 90 दिन का समय मिलेगा

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट रूल्स, 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया है। ये नियम वक्फ संपत्तियों के पोर्टल और डेटाबेस, उनके पंजीकरण, ऑडिट और खातों के रखरखाव से जुड़े हैं। नए नियमों के तहत एक केंद्रीकृत पोर्टल और डेटाबेस बनाया गया है, जिसमें देशभर की वक्फ की पूरा रिकॉर्ड दर्ज होगा। इसमें वक्फ संपत्तियों की सूची अपलोड करना, नया पंजीकरण, वक्फ रजिस्टर का रखरखाव, खातों की जानकारी देना, ऑडिट रिपोर्ट प्रकाशित करना और बोर्ड के आदेशों को दर्ज करना शामिल है।

वक्फ संपत्ति का प्रबंधक (मुतवल्ली) अपने मोबाइल नंबर और ईमेल के जरिए से लॉगिन करके पोर्टल पर रजिस्टर करेगा। इसके बाद वक्फ और उसकी संपत्ति का विवरण अपलोड कर सकेगा। नई वक्फ संपत्ति को बनने के तीन महीने के अंदर पोर्टल पर फॉर्म 4 में पंजीकरण कराना होगा। वक्फ बोर्ड पोर्टल पर फॉर्म 5 में वक्फ का रजिस्टर बनाए रखेगा। नए नियम वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत बनाए गए हैं, जो 8 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है। नए नियमों में सरकारों की जिम्मेदारी तय केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में वक्फ डिवीजन के प्रभारी संयुक्त सचिव इस पोर्टल और डेटाबेस की निगरानी और नियंत्रण करेंगे। राज्य को संयुक्त सचिव स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा। केंद्र की सलाह से सेंट्रलाइज्ड सपोर्ट यूनिट बनेगी।

नेशनल हाईवे पर अब आधा टोल लगेगा

सरकार ने इसमें 50% की कटौती की, सवाल-जवाब में समझें ये नया बदलाव

नई दिल्ली/एजेंसी

सरकार ने नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स में 50% तक की कटौती की है। यह कटौती विशेष रूप से उन हाईवे पर हुई है जहां ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड स्ट्रेच मौजूद हैं। यहां यात्रा करने के लिए अब कम टोल चुकाना होगा। इससे सफर की लागत घटेगी।

नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स को लेकर क्या नया बदलाव हुआ है

जवाबः सरकार ने नेशनल हाईवे पर उन हिस्सों के लिए टोल टैक्स को 50% तक कम कर दिया है, जहां पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रास्ते हैं। यानी अब इन रास्तों पर सफर करना पहले से सस्ता हो जाएगा।

नए बदलाव के बाद क्या होगा

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक सीनियर अफसर के अनुसार पुराने नियमों के चलते हर किलोमीटर में किसी स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सामान्य टोल फीस का 10 गुना चार्ज देना पड़ता था। यह तरीका उस इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत पूरा करने के लिए बनाया गया था। अब नए नियमों में यह टोल टैक्स करीब 50% तक घट जाएगा।

नए नियम के तहत, टोल की गणना दो तरीकों से होगी और जो कम होगा, वही लागू होगा। अगर राजमार्ग का कोई हिस्सा पुल या सुरंग जैसी संरचना है, तो टोल की गणना के लिए संरचना की लंबाई को 10 गुना करके सामान्य सड़क की लंबाई में जोड़ा जाएगा, या फिर पूरे हिस्से की लंबाई को 5 गुना किया जाएगा। इनमें से जो कम होगा, उसी के आधार पर टोल लिया जाएगा।

नई प्रौद्योगिकियां विकास गाथा को परिभाषित करेंगी: पीयूष

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि नई प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथाको परिभाषित करेंगी। भारत अब एक ऐसा देश बन रहा है, जो नौकरियां मांगने वाला नहीं, बल्कि देने वाला है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने बेंगलुरु में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) एलुमनाई एसोसिएशन के संगम 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, "आपका विज्ञान, आपकी तकनीक, इस जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम, आरएंडडी और इनोवेशन के साथ मिलकर भविष्य की भारत की विकास कहानी को आकार देगी।" गोयल ने कहा कि भारत नौकरी चाहने वाले देश से नौकरी देने वाले देश में तब्दील हो रहा है। बेंगलुरु में बड़े नाम से मौजूद स्टार्टअप इकोसिस्टम हमारे मुकुट का एक रत्न है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार प्रौद्योगिकी उद्योग, स्टार्टअप इकोसिस्टम का पूरा समर्थन करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे मंत्रालय ने अनुसंधान और विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये प्रदान करने की योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि हम 2 लाख करोड़ रुपये की रोजगार सृजन प्रोत्साहन योजना और कौशल विकास, इंटर्नशिप कार्यक्रम के अलावा अन्य कार्यक्रम लेकर आए हैं।

तीर्थ यात्राएं आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ/एजेंसी

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं हेतु बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना और सिख श्रद्धालुओं के लिए पंच तख्त यात्रा योजना प्रारम्भ की जाए। इन योजनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें। मुख्यमंत्री के मंशानुसार बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के निवासी हिन्दू/बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा की साध पूरी कराना

मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के निवासी सिख श्रद्धालुओं को भारत के पाँच पवित्र तख्त साहिब स्थल की यात्रा कराई जाएगी। बता दें कि सिख पंथ के लिए पवित्र पंच तख्त स्थलों में श्री आनंदपुर साहिब, पंजाब, श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर, पंजाब, श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो, पंजाब, श्री तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र, श्री हरमंदिर जी साहिब (पटना साहिब), बिहार, शामिल हैं। प्रस्तावित दोनों ही योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10,000 की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की

हमने डेढ़ साल में किए पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल से ज्यादा काम : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे।शर्मा सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है। शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने

कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के कार्य किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित हैं तथा 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं।

त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री ने मोदी की कविता उद्धृत की

एजेंसी

नई दिल्ली। त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर नेभारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक कविता का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की यह कविता आंख आ धन्य छे नामक गुजराती पुस्तक से उद्धृत की। त्रिनिदाद और टोबैगो में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह कविता पढ़ी। प्रधानमंत्री बिसेसर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कविता उनके संघर्ष, स्मृतियों और अनुभवों की शक्ति को दर्शाती है। कविता में अतीत की यात्रा, कठिनाइयों में साथ चले लोगों की स्मृति, और उन अनुभवों की अंततः जीवन यात्रा का हिस्सा बन जाने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री प्रधानमंत मोदी की कविता (यात्रा) का पाठ करते हुए बिसेसर ने दर्शाया कि कैसे व्यक्तिगत स्मृतियां और सामूहिक संघर्ष किसी भी व्यक्ति की चेतना में स्थायी रूप से बसे रहते हैं। यह कविता न केवल मोदी के निजी अनुभवों की झलक देती है, बल्कि प्रवासी भारतीयों को भी उनकी जड़ों से जोड़ती है।

वोटर लिस्ट संशोधन पर पप्पू यादव ने उठाए सवाल, केजरीवाल को लेकर कहा- रस्सी जल गई, ऐंठन नहीं गई

पटना । बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन को लेकर सियासी घमासान मचा है। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन यानि पप्पू यादव ने बिहार चुनाव से पहले भारत निर्वाचन आयोग के इस अभियान पर सवाल उठाया है। साथ ही इंडी अलायंस से नाता तोड़ने का ऐलान कर चुके आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी आड़े हाथों लिया। मीडिया से बात करते हुए पूर्णिया सांसद ने कहा, चुनाव आयोग आरएसएस का दफ्तर है, उसको रोकना चाहिए। जो संवैधानिक दायित्व के लिए खतरा बन जाए, उसके लिए जनता तैयार है। आज हम लोग तय करेंगे। कांग्रेस प्रभारी से भी इसे लेकर बातचीत हुई है। चुनाव आयोग मुलाकात नहीं कर रही है वाले सवाल को लेकर उन्होंने कहा, चुनाव आयोग अलाद्दीन का चिराग है क्या? आर-पार की लड़ाई होगी। बिहार और बिहारी की अस्मिता

के लिए जान भी देनी पड़ेगी तो देंगे। अरविंद केजरीवाल के बिहार चुनाव अकेले लड़ने को लेकर उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है, चुनाव लड़ना सबका अधिकार है। वे बिहार आकर चुनाव लड़ें।केजरीवाल को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि रस्सी जल गई पर ऐंठन नहीं गई। बिहार में महज कुछ ही महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार की विपक्षी पार्टियों ने इस कदम की तीखी आलोचना की। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिशबताया है।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्वाचन आयोग को बिहार की समस्त मतदाता सूची को निरस्त कर केवल 25 दिन में 1987 से पूर्व के कागजी सबूतों के साथ नई मतदाता सूची बनाने का निर्देश दिया है। चुनावी हार की बौखलाहट में ये लोग अब बिहार और बिहारियों से मतदान का अधिकार छीनने का षड्यंत्र कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने सवाल उठाया कि क्या 2003 के बाद से अब तक बिहार में चार-पांच चुनाव हो चुके हैं, क्या वे सब गलत हैं, अपूर्ण या अविश्वसनीय थे?

कांग्रेस-इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है: तरुण चुघ

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर 'नेम प्लेट' विवाद को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। उन्होंने विपक्ष को सनातन की आस्था का अपमान न करने की नसीहत दी। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में तरुण चुघ ने कहा कि विपक्ष का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है। वह पवित्र कांवड़ यात्रा पर राजनीति बंद करें, क्योंकि यह करोड़ों शिव भक्तों की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कांवड़ यात्रा को सनातन धर्म की पवित्र और कठिन धार्मिक यात्रा बताया, जो श्रावण मास में करोड़ों शिव भक्तों द्वारा की जाती है। चुघ ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए कांवड़ यात्रा और सनातन धर्म का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन में सनातन धर्म का विरोध करना फैशन बन गया है। कांवड़ियों के खिलाफ अपशब्द और उनकी आस्था का अपमान बंद होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें और कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र अवसरों पर राजनीति से बाज आएं। भाजपा

नेता तरुण चुघ ने विपक्ष के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाने को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, जब तेलंगाना, हिमाचल और कर्नाटक में विपक्ष चुनाव जीतता है, तब ईवीएम ठीक है, लेकिन महाराष्ट्र और हरियाणा में हारने पर ईवीएम को दोषी ठहराया जाता है। ईवीएम में खराबी आ जाती है। यह दोहरा मापदंड और दोहरा चरित्र देश अब जान चुका है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के भाजपा और कांग्रेस का रिश्ता प्रेमी-प्रेमिका जैसा वाले बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कभी कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ भ्रष्टाचार के सबूत होने का दावा किया था। केजरीवाल ने कहा था, मेरे पास कांग्रेस और शीला दीक्षित के खिलाफ दो बोरी सबूत हैं। आज तक उस बोरी का मुंह नहीं खुला, लेकिन बाद में उसी कांग्रेस के साथ मिलकर दिल्ली में सरकार बनाई। किसने अभी लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा है। जनता ने उस आपको और उस गठबंधन को करारा जवाब दिया। केजरीवाल की नैतिकता और ईमानदारी का ढोंग–यह सब कुछ दिखा है।

रामायण' से 'महाकुंभ' तक... पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में किया इन बातों का जिक्र

एजेंसी

पोर्ट ऑफ स्पेन । प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया और भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो के संबंधों पर बात की। साथ ही उन्होंने भगवान राम से लेकर महाकुंभ और त्रिनिदाद और टोबैगो की रामलीलाओं का भी जिक्र किया।

पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड दिए जाने की बात की। उन्होंने कहा कि आप सिर्फ खून या उपनाम से ही नहीं जुड़े हैं। आप अपनेपन से भी जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत की अंतरिक्ष में उड़ान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ÷वो समय अब दूर नहीं है कि जब कोई भारतीय चंद्रमा पर पहुंचेगा और भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। हम अब तारों को सिर्फ गिनते

नहीं हैं, आदित्य मिशन के रूप में उनके पास जाने का प्रयास करते हैं। हमारे लिए अब चंदा मामा दूर के नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बिहार की विरासत को भारत के अलावा उसे दुनिया का भी गौरव बताया। उन्होंने कहा, ÷लोकतंत्र हो, राजनीति हो, कूटनीति हो, उच्च शिक्षा हो, बिहार ने सदियों पहले दुनिया को ऐसे अनेक विषयों में नई दिशा दिखाई थी। मुझे विश्वास है कि 21वीं सदी की दुनिया के लिए भी बिहार की धरती से नई प्रेरणाएं और नए अवसर निकलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत से गरीबी को खत्म करने का भी जिक्र किया और कहा, भारत ने दिखाया है कि गरीबों को सशक्त करके, उन्हें समर्थ करके गरीबी को हराया जा सकता है।

पहली बार करोड़ों लोगों में विश्वास जाएगा कि भारत गरीबी से मुक्त हो सकता है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री कमला पर्साद-बिसेसर को बिहार की बेटी बताया। उन्होंने कहा, ÷त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला पर्साद-बिसेसर के पूर्वज बिहार के बक्सर से थे। कमला खुद वहां जाकर भी आई हैं और लोग उन्हें बिहार की बेटी मानते हैं। प्रधानमंत्री ने 500 साल बाद अयोध्या में रामलला की वापसी का भी जिक्र किया।

भाजपा ने स्वामी विवेकानंद के निर्वाण दिवस पर उन्हें किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने स्वामी विवेकानंद के निर्वाण दिवस पर उन्हें नमन किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज एक्स पर कहा कि विश्व में भारतीय संस्कृति को स्थापित करने वाले, महान आध्यात्मिक गुरु और युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी के निर्वाण दिवस पर उन्हें कोटिशः नमन। उन्होंने कहा कि विश्वभर में भारतीय संस्कृति की वैभवता और महानता का बोध कराने वाले स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार मानते थे। उनके द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन आज देशभर में जनसेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि युवा तरुणाइयों में चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र उत्थान की भावना जागृत करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

गडकरी ने झारखंड में 3800 करोड़ रुपये के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों की योजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

एजेंसी

रांची। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड में 3800 करोड़ रुपये से अधिक के राष्ट्रीय राजमार्गों की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। गडकरी ने इस अवसर पर राजधानी रांची को चार तोहफे भी दिए। इसमें रांची में आउटर रिंग रोड का निर्माण, इलेक्ट्रिक बस का परिचालन, रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के पिलर पर सोहराई पेंटिग कराने और रांची-गनगडा-सिल्ली सड़क को फोरलेन बनाना शामिल है।

रातू रोड स्थित ओटीसी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि झारखंड की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पीछे मोदी सरकार खड़ी है। केंद्र सरकार झारखंड के विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि झारखंड को लेकर दो लाख करोड़ रुपये की सड़क योजनाएं बन रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आग्रह पर आउटर रिंग रोड के निर्माण पर छह हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इसका डीपीआर बनाने का निर्देश अधिकारियों को दे दिया गया है। इलेक्ट्रिक बस सेवा भी बहाल होगी। रांची में यह सेवा नागपुर के बाद देश

की दूसरी सेवा होगी। इस सेवा के शुरू होने से लोगों को 30 प्रतिशत सस्ती सेवा मिल पाएगी।गडकरी ने कहा कि देश में लॉजिस्टिक खर्च पूर्व में 16 प्रतिशत था जो घटकर अब 10 प्रतिशत रह गया है और यह अगले पांच साल में नौ प्रतिशत होगा। इससे हमारे देश का निर्यात बढ़ेगा और देश आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने बताया कि अगले दो वर्षों में अमेरिका की तरह देश की सड़कें होंगी। गडकरी ने बताया कि हम देश में ग्रीन एक्सप्रेस-वे बना रहे हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रातू रोड में लाल डामर की सड़क थी। अनशन करने के बाद इस सड़क को बनाया गया, लेकिन एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए उन्हें कोई अनशन नहीं करना पड़ा। उन्होंने गडकरी से रांची आउटर रिंग रोड, सिल्ली -अनगडा रोड, एलिवेटेड कॉरिडोर के पिलर पर सोहराई पेंटिंग कराने और रांची में एक्ट्रिक बस चलाने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा की गारंटी और सुशासन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की टूटी-फूटी सड़कें अब केंद्रीय मंत्री गडकरी के प्रयास से टू-लेन और फोरलेन में तब्दिल हो रही हैं।

अमरनाथ यात्राः जम्मू से 6411 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना, पहले दिन 12 हजार से अधिक भक्तों ने किए दर्शन

एजेंसी

श्रीनगर । अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से एक और जत्था भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ। इस जत्थे में 6411 तीर्थयात्री शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार सुबह भगवती नगर यात्रा निवास से 291 वाहनों के दो सुरक्षा काफिलों में कुल 6411 यात्री कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुए। इनमें से 2789 यात्री बालटाल बेस कैंप की ओर जा रहे हैं, जबकि 3622 यात्री पहलगाम बेस कैंप जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 38 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के पहले दिन, गुरुवार को 12300 यात्रियों ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। यात्रा के दौरान श्रद्धालु बम बम भोले और हर हर महादेव के जयकारों के साथ उत्साहपूर्वक तीर्थ कर रहे हैं। सुरक्षा के विषय पर तीर्थयात्रियों ने कहा, उन्हें पाकिस्तान या उसके भाड़े के एजेंटों से कोई डर नहीं है। वो भगवान शिव के आह्वान पर यात्रा कर रहे हैं और उन्हीं की कृपा में सुरक्षित महसूस करते हैं। इस साल की अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है, क्योंकि यह 22 अप्रैल के कायरतापूर्ण हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित गुफा मंदिर तक का पूरा मार्ग सुरक्षाबलों की ओर से सुरक्षित है। तीर्थयात्री बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा तक दो रास्तों से पहुंचते हैं, जिसमें एक पारंपरिक पहलगाम मार्ग है और दूसरा छोटा,

आतंकवादियों ने पहलगाम में कथित तौर पर धर्म देखकर 26 पर्यटकों की हत्या की थी। फिलहाल यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर पर मजबूत किया गया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं।दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी शिविर और जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास से लेकिन कठिन बालटाल मार्ग है। पहलगाम रूट पर गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए चंदनवारी, शेषनाग और पंचतरणी से गुजरना पड़ता है, जिसमें कुल 46 किमी की दूरी तय करनी होती है। बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किमी की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा करने के बाद उसी दिन बेस कैंप वापस लौटना पड़ता है।

प्रधानमंत्री मोदी को ट्रिनिडाड एंड टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान करने की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्रिनिडाड एंड टोबैगो सरकार ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ ट्रिनिडाड एंड टोबैगो' देने की घोषणा की। यह घोषणा वहां की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच आयोजित एक बड़े स्वागत समारोह में की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक यात्रा और दोनों देशों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान के लिए ट्रिनिडाड एंड टोबैगो की जनता और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह घोषणा की कि अब ट्रिनिडाड एंड टोबैगो में बसे भारतीय मूल के छठी पीढ़ी के लोगों

को भी ओसीआई कार्ड जारी किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में ट्रिनिडाड एंड टोबैगो के 180 वर्षों पूर्व आए भारतीय मूल के लोगों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी यह यात्रा उस ऐतिहासिक विरासत को सम्मानित करने का अवसर है। उन्होंने भारतीय प्रवासियों की सांस्कृतिक जीवंतता और उनकी सामाजिक भूमिका की सराहना की। प्रधानमंत्री ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए ट्रिनिडाड एंड टोबैगो को भारत की ओर से निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में देश ने आधारभूत संरचना, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने बताया कि 25 करोड़ से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है और भारत शीघ्र ही विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। उन्होंने बताया कि भारत के राष्ट्रीय मिशन जैसे एआई, सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग विकास के नए इंजन बन रहे हैं।

राज्यसभा का 268वां सत्र 21 जुलाई से

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा का 268वां सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। आज जारी आधिकारिक संसदीय बुलेटिन के अनुसार, राज्यसभा सत्र 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कुल 21 बैठकें होंगी। संसदीय बुलेटिन के अनुसार, राष्ट्रपति ने सोमवार, 21 जुलाई, 2025 को नई दिल्ली में राज्य सभा की बैठक बुलाई है। कार्य की अनिवार्यता के अधीन, सत्र का समापन गुरुवार, 21 अगस्त, 2025 को होना निर्धारित है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण 13 और 14 अगस्त को संसद की कोई बैठक नहीं होगी। आगामी मानसून सत्र ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला संसद सत्र होगा। इस ऑपरेशन को भारत ने 07 मई को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया था। पहलगाम में 26 लोगों की जान चली गई थी। संसद का बजट सत्र इस साल जनवरी में हो चुका है।

दिल्ली-एनसीआर में उमस से लोग परेशान, आईएमडी ने बारिश को लेकर दिया अपडेट

एजेंसी

दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक, 4 जुलाई से लेकर 10 जुलाई तक क्षेत्र में बादलों की आवाजाही और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इससे एक तरफ जहां अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी, वहीं बढ़ती उमस लोगों को परेशान भी कर सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 जुलाई को कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश की आशंका है। इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दिन सुबह के समय गरज के साथ बिजली चमकने और हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी दी गई है। तापमान 36 डिग्री सेल्सियस अधिकतम और 27 डिग्री न्यूनतम रहने की संभावना है। हवा में नमी की मात्रा 80 प्रतिशत से 65 प्रतिशत के बीच बनी रहेगी। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि बारिश के समय पर खुले इलाकों और बिजली के उपकरणों के नजदीक न जाएं। आईएमडी के मुताबिक 4 जुलाई को भी कुछ इलाकों में गरज के साथ बारिश की संभावना है, हालांकि इस दिन कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। तापमान 37 डिग्री अधिकतम और 28 डिग्री न्यूनतम रहेगा। वहीं, 6 जुलाई को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और मध्यम बारिश हो सकती है। इस दिन अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रह सकता है। 7 और 8 जुलाई को मौसम विभाग ने गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है। तापमान 33 डिग्री अधिकतम और 25 डिग्री न्यूनतम रहेगा। ह्यूमिडिटी में मामूली अंतर देखा जाएगा, लेकिन गर्मी से कुछ राहत जरूर मिलेगी। 9 और 10 जुलाई को बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। हालांकि इन दोनों दिनों के लिए कोई चेतावनी नहीं दी गई है, लेकिन आसमान में बादलों की उपस्थिति और नमी के कारण वातावरण नम बना रहेगा। लगातार बारिश के चलते दिल्ली-एनसीआर के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों को तेज गर्मी से राहत मिल रही है। हालांकि, हवा में बनी अधिक नमी (ह्यूमिडिटी) के कारण उमस में इजाफा हो रहा है, जिससे लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

कोरोना वैक्सीन ने बचाई लाखों लोगों की जान : एम्स

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के टीकों और दिल का दौरा पड़ने के बीच कोई संबंध नहीं है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) ने इस प्रकार की अटकलों को खारिज करते हुए आज कहा कि कोरोना के टीकों ने लाखों लोगों की जान बचाई है। गुरुवार को एम्स में पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. करण मदान ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोवैक्सीन एवं कोविशील्ड कोरोना के प्रभावी टीके थे और उन्होंने मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महामारी के दौरान, जीवन बचाने के लिए टीके ही एकमात्र उपाय हैं। टीकों का इस्तेमाल बड़ी संख्या में लोगों पर किया गया और उन्होंने अत्यधिक मृत्यु दर को रोकने में प्रभावी भूमिका निभाई। अब तक इस्तेमाल किए गए टीकों की समीक्षा के लिए अचानक हृदय संबंधी मौतों पर एक अध्ययन किया गया था, लेकिन अचानक हृदयाघात से होने वाली मौतों का इन टीकों के साथ कोई स्पष्ट संबंध नहीं पाया गया। वहीं, एम्स के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय राय ने कहा कि देश में जनवरी 2021 में वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई। अब तक दुनियाभर में 13 अरब से ज्यादा डोज दी जा चुकी हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 12 वैक्सीन को मंजूरी दी है।

दिल्ली में जल और सीवरेज परियोजनाओं को दी गई नई रफ्तार : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि राजधानी में जल और सीवरेज परियोजनाओं को मंजूरी देकर नई रफ्तार दी गई। दिल्ली सचिवालय में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड ने अपनी हालिया बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ये योजनाएं न केवल लाखों लोगों को सीधे लाभ पहुंचाएंगी बल्कि यमुना नदी में प्रदूषण को कम करेंगी, जल वितरण को समान बनाएंगी और वर्षों से लंबित पुनर्वास कार्यों को गति देंगी। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि साफ पानी और प्रभावी सीवरेज व्यवस्था सिर्फ पाइपलाइन नहीं, लोगों के जीवन की गरिमा और हक से जुड़ा मसला है। हम वर्षों से अटकी योजनाओं को फिर से जमीन पर ला रहे हैं ताकि हर नागरिक को उसका हक मिल सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और भूमि विकास एजेंसियों की जल/सीवरेज योजनाओं को मंजूरी देने एवं क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी अब दिल्ली जल बोर्ड की है। एक अहम नीतिगत सुधार के तहत अब दिल्ली जल बोर्ड को डीडीए और अन्य भूमि विकास एजेंसियों की जल और सीवरेज योजनाओं को सीधे स्वीकृत करने और उन्हें क्रियान्वित करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि 2019 से पहले यह प्रक्रिया चीफ इंजीनियर (प्लानिंग) स्तर पर पूरी हो जाती थी, जिससे कार्य शीघ्र पूरे होते थे।

खंडेलवाल ने अधिकारियों के साथ चावड़ी बाजार, सीताराम बाजार एवं माता सुंदरी गुरुद्वारा क्षेत्र का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चावड़ी बाजार, सीताराम बाजार एवं माता सुंदरी गुरुद्वारा क्षेत्र का निरीक्षण दौरा किया। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने अपने निरीक्षण के दौरान दिल्?ली नगर निगम अधिकारियों को चावड़ी बाजार से कुछ स्थाई अतिक्रमण हटाने के साथ ही जलबोर्ड एवं लोकनिर्माण विभाग अधिकारियों को सड़कों पर धसते सीवर एवं गड्ढे ठीक करने और पुलिस को अवैध पार्किंग एवं रिक्शा कंट्रोल करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने हौजकाजी चौक से अवैध स्कूटर पार्किंग को हटाने के निर्देशो भी दिल्ली पुलिस को दिया और सीताराम बाजार की सड़के ठीक कर रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों जो स्थानीय निवासी भी हैं, उनको व्यवस्थित करने को कहा। सांसद खंडेलवाल ने दिल्ली नगर निगम की शहरी क्षेत्र उपायुक्त से माता सुंदरी रोड़ पर खासकर दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पीछे से लोकनायक अस्पताल के गेट के पास से और गुरुद्वारा साहब के आसपास के कबाड़ियों के अवैध कब्जों को हटवाने की योजना बनाने को कहा।

आआपा पार्षदो ने सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर के कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग के नेतृत्व में गुरुवार को सिविक सेंटर में आआपा पार्षदों की बैठक हुई। बैठक के बाद आआपा पार्षद ने दिल्ली में सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर राजा इकबाल सिंह के कार्यालय के बाहर कचरा रखकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने महापौर से इस्तीफा देने की मांग की। इस दौरान अंकुश नारंग ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम सफाई व्यवस्था पर ध्यान नही दे रही है। इसलिए आआपा पार्षद महापौर राजा इकबाल सिंह के इस्तीफे की मांग करते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन की सरकार है। फिर पूरी दिल्ली कूड़े का मैदान बनी हुई है। हर जोन में सफाई व्यवस्था चरमरा चुकी है। दिल्ली की जनता बढ़ रही बीमारियों से परेशान है।

दिल्ली-जयपुर के बीच नया ग्रीनफील्ड स्पर तैयार, यात्रा समय में कटौती : नितिन गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे और जयपुर को जोड़ने वाला 66.9 किलोमीटर लंबा, 4-लेन वाला ग्रीनफील्ड बांदीकुई स्पर बनकर तैयार हो गया है। यह जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। उनके मुताबिक, इस परियोजना पर 2,016 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह नया स्पर दिल्ली और जयपुर के बीच सीधी और नियंत्रित कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे यात्रियों को अब लंबी और ईंधन खर्च करने वाली यात्राओं से छुटकारा मिलेगा। नितिन गडकरी के अनुसार, इस नए स्पर से दिल्ली-जयपुर के बीच यात्रा का समय 3 घंटे 45 मिनट से घटकर

केवल 3 घंटे रह जाएगा। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-48 और एनएच-21) पर ट्रैफिक जाम की समस्या भी कम होगी। नितिन गडकरी के मुताबिक, यह परियोजना क्षेत्र में गतिशीलता को बेहतर बनाएगी और सड़क यात्रा को और सुगम करेगी। इस स्पर के बनने से जयपुर के पर्यटन स्थलों, जैसे आमेर किला और जंतर मंतर, तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, वाहनों की टूट-फूट कम होगी और स्थानीय किसानों, खासकर फल-सब्जी उत्पादकों को दिल्ली के बड़े बाजार तक आसानी से पहुंचने का मौका मिलेगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। यह परियोजना सरकार की बुनियादी ढांचा विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डीयू ने छात्रों को तीसरे वर्ष के बाद डिग्री लेकर पाठ्यक्रम छोड़ने का दिया विकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पढ़ रहे विद्यार्थियों को तीसरे वर्ष के बाद पाठ्यक्रम से बाहर निकलने का विकल्प दिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जारी सूचना के अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने तीन वर्ष यानी छह सत्र पूरे कर लिए हैं, वे अब स्नातक की तीन वर्षीय उपाधि प्राप्त कर सकते हैं और आगे की पढ़ाई छोड़ सकते हैं। यह सुविधा बहु-विषयक पाठ्यक्रमों में सामान्य डिग्री तथा एकल विषय पर आधारित पाठ्यक्रमों में विशेष डिग्री (ऑनर्स) के रूप में दी जाएगी। इस विकल्प का लाभ उठाने के इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय के छात्र पोर्टल पर जाकर अपनी इच्छा ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अनुरोध किया है कि वे इस निर्णय

को लेने से पहले अपने शैक्षणिक और भविष्य के लक्ष्यों पर गंभीरता से विचार करें तथा अपने अध्यापकों और मार्गदर्शकों से सलाह लें। यह व्यवस्था नई शिक्षा नीति 2020 के उस उद्देश्य के अनुरूप है, जिसमें उच्च शिक्षा में कई प्रवेश और निकास बिंदुओं की सुविधा दी गई है, जिससे विद्यार्थियों को अपने शिक्षण पथ पर अधिक स्वतंत्रता मिल सके।

पाकिस्तान को यूएनएससी की अध्यक्षता मिलना हमारी विदेश नीति की विफलता : रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनसीसी) की अध्यक्षता मिलने पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे भारतीय विदेश नीति की विफलता बताया और कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह दे रहा है इसके बावजूद किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया। रणदीप सुरजेवाला ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आतंकवादी देश पाकिस्तान को अब वैश्विक सुरक्षा का दलाल बना दिया गया है। शैतान अब कुर्सी पर बैठा है, क्योंकि कल शाम से पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहा है। यह मोदी सरकार की विश्वसनीयता की बड़ी हानि और कूटनीतिक विफलता है, जिसने हमारे राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। वैश्विक मंचों पर तस्वीरें खिंचवाने और विश्व भ्रमण से केवल शर्मिंदगी मिली है। कांग्रेस ने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है,

जिसका आतंकवादियों को पनाह देने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत में आतंकवाद एक्सपोर्ट करने का इतिहास रहा है। उसे मंगलवार 1 जुलाई 2025 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल ली है। मोदी सरकार ने इस बारे में क्या किया? यह सब पहलगाम आतंकी हमले के कुछ सप्ताह बाद हुआ, जो स्पष्ट रूप से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित और संचालित था। यह मोदी सरकार और उनके विदेश मंत्री एस. जयशंकर की विदेश नीति पर झूठे दावों के बावजूद हुआ, जो वैश्विक मंच पर इसे रोकने में पूरी तरह विफल रहे। उन्होंने कहा, यह सब तब हुआ, जब आज भी पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, उनकी रक्षा कर रहा है, जिनमें अब मृत आतंकवादी ओसामा बिन लादेन, अब्दुल रऊफ, मौलाना मसूद अजहर, हाफिज सईद, दाऊद इब्राहिम और कई अन्य शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने आतंकी संगठनों का जिक्र करते हुए कहा, पाकिस्तान भारत विरोधी आतंकी समूहों जैसे जैश-ए-मोहम्मद, जमात-उद-दावा, तहरीक-ए-आजादी जम्मू-कश्मीर, अल जिहाद फोर्स, जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स लिबरेशन फ्रंट, तहरीक-ए-हुर्रियत कश्मीर को संरक्षण और सहायता दे रहा है।

इग्नू ने प्रो. जी. राम रेड्डी पर स्मृति व्याख्यान का किया आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने अपने संस्थापक कुलपति प्रो. जी. राम रेड्डी की स्मृति में 30वां स्मृति व्याख्यान आयोजित कर उनके शिक्षा क्षेत्र में अमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह अवसर केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में उनके दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पर पुनः विचार का मंच बना। कार्यक्रम में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण- शिक्षा, कौशल और डिजिटल परिवर्तन विषय पर अपने विचार रखे। बेरी ने कहा कि आज जब दुनिया तीव्र डिजिटल बदलावों और तकनीकी नवाचारों से गुजर रही है, भारत को ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी जो युवाओं, महिलाओं और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को निरंतर सीखने और खुद को ढालने का अवसर दे।

भारत का जनसांख्यिकीय लाभ एक बड़ी शक्ति है, पर उसे सशक्त करने के लिए उत्पादकता, समावेशन और नवाचार साथ चलने चाहिए। उन्होंने प्रो. रेड्डी को शिक्षा के लोकतांत्रीकरण का अग्रदूत बताते हुए कहा कि उन्होंने भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को तोड़ते हुए शिक्षा को हर व्यक्ति की पहुंच में लाने का कार्य किया। उनकी सोच आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जब हम भविष्य के भारत की परिकल्पना कर रहे हैं। इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कंजिलाल ने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. रेड्डी की दूरदर्शी सोच को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे इग्नू आज ऑनलाइन शिक्षण, बहुभाषी वीडियो व्याख्यान और तकनीक आधारित पहुंच के माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रो. रेड्डी का उद्देश्य शिक्षा की बाधाओं को तोड़ना था और आज हम उसी मिशन को नई तकनीक के माध्यम से आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम के आरंभ में आयोजन समिति के अध्यक्ष और इग्नू के अंतरराष्ट्रीय प्रभाग के निदेशक प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो. रेड्डी के योगदान को याद किया।

बेहतर सैन्य प्रशिक्षण, नवाचार व ऑनलाइन प्रणाली को सराहेगी भारतीय सेना

एजेंसी

नई दिल्ली। सैन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सैनिक प्रशिक्षण संस्थानों, सैन्य यूनिट्स एवं सेना से जुड़े अधिकारियों व जवानों को सम्मानित किया जाएगा। प्रदर्शन के आधार पर ऐसे सैनिकों, अधिकारियों, संस्थानों व यूनिट्स का चयन होगा, जिन्होंने बेहतरीन योगदान दिया है। यह सम्मान आर्मी ट्रेनिंग कमांड की वार्षिक इन्वेस्टिचर सेरेमनी में दिया जाएगा। यह सेरेमनी 3 जुलाई को आयोजित की जाएगी। यह विशेष समारोह सैन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रशिक्षण संस्थानों, इकाइयों एवं व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। प्रतिष्ठित एआरटीआरएसी इन्वेस्टिचर सेरेमनी 3 जुलाई को शिमला में आयोजित होगी। इस वर्ष के समारोह की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी), आर्मी ट्रेनिंग कमांड द्वारा की जाएगी। सेना के मुताबिक, समारोह के दौरान पांच प्रतिष्ठानों को प्रशिक्षण, नवाचार

और सैन्य नेतृत्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित आर्मी कमांडर यूनिट सिटेशन से सम्मानित किया जाएगा। बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए तीन संस्थानों को फाइनेंशियल एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, भौतिक माध्यम की तुलना में ऑनलाइन प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए तीन प्रतिष्ठानों को ई-ऑफिस एक्सीलेंस अवॉर्ड भी दिए जाएंगे। व्यक्तिगत श्रेणी में, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नौ नवप्रवर्तकों को उनकी तकनीकी खोजों के लिए सम्मानित किया जाएगा। सेना का कहना है कि इससे संचालन और संगठनात्मक दक्षता में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त, सैन्य कमांडर विशिष्ट सेवा और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को 'ऑन द स्पॉट' प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करेंगे। सेना के मुताबिक, इन्वेस्टिचर सेरेमनी आर्मी ट्रेनिंग कमांड की एक गौरवशाली परंपरा है, जो भारतीय सेना में उत्कृष्टता और दृढ़ता की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सम्मानित किए जाने वाले पुरस्कारों में आर्मी कमांडर यूनिट सिटेशन, वित्तीय उत्कृष्टता पुरस्कार तथा ई-ऑफिस को बढ़ावा देने के लिए विशेष पुरस्कार शामिल हैं।

इस अवसर पर भारतीय सेना के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों एवं यूनिट्स के कमांडेंट्स, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी एवं पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। यह समारोह न केवल उत्कृष्टता को सम्मानित करता है, बल्कि सेना में उत्कृष्ट प्रशिक्षण परंपराओं को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशा-निर्देशों में संशोधन का रखा प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। टेलीविज़न रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) का सही-सही आकलन करने के उद्देश्य से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशा-निर्देशों में संशोधन करने जा रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दो जुलाई को इस संबंध में मसौदा जारी किया। इस मसौदे में मीडिया घरानों के लिए कुछ प्रतिबंधात्मक प्रावधानों को हटाया गया है, ताकि देश में टेलीविजन दर्शकों की माप पारिस्थितिकी तंत्र को लोकतांत्रिक और आधुनिक बनाने के लिए मौजूदा एआरसी के अलावा और अधिक कंपनियों को अनुमति दी जा सके। मंत्रालय ने मसौदा जारी होने के 30 दिनों के भीतर हितधारकों और आम जनता से सुझाव आमंत्रित किए हैं। उल्लेखनीय है कि टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशा-निर्देश 2014 में जारी किए गए थे। मंत्रालय ने बताया कि भारत में वर्तमान में लगभग 23 करोड़ घरों में टेलीविज़न हैं। जबकि वर्तमान में केवल 58,000 लोगों के घरों को ही दर्शकों के डेटा को कैप्चर करने के लिए उपयोग किया जाता है, जो कुल टीवी वाले घरों का केवल 0.025 प्रतिशत है। यह अपेक्षाकृत सीमित नमूना है। इसके अलावा, स्मार्ट टीवी, स्ट्रीमिंग डिवाइस और मोबाइल एप्लिकेशन जैसे उभरते प्लेटफार्मों पर दर्शकों की संख्या को पर्याप्त रूप से कैप्चर नहीं किया जा रहा है। मौजूदा टीआरपी सिस्टम से जुड़ी समस्याएं ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल फिलहाल टीवी रेटिंग देने वाली एकमात्र एजेंसी है।यह कनेक्टेड टीवी डिवाइस व्यूअरशिप को ट्रैक नहीं करती, जबकि यह एक बड़ा ट्रेंड है। मौजूदा नीतियों में प्रवेश संबंधी बाधाएं थीं, जो नए कंपनियों को टीवी रेटिंग क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकती थीं।

नेशनल हेराल्ड केस : सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, ईडी का दावा - 2000 करोड़ की संपत्ति हथियाने की हुई थी साजिश

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा दावा किया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने बताया कि कांग्रेस नेशनल हेराल्ड की करीब 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पना चाहती थी। ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में कहा, नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कंट्रोल करने के लिए यंग इंडियन लिमिटेड बनाने की साजिश रची गई थी, जिसमें कांग्रेस संसदीय पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी प्रमुख हिस्सेदार हैं। इसका लक्ष्य पार्टी नेतृत्व को व्यक्तिगत लाभ पहुंचाना था। एएसजी राजू ने दावा किया कि कांग्रेस के कई सीनियर नेता एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को किए गए ÷फर्जी लेनदेन÷ में शामिल थे। ईडी के मुताबिक, कांग्रेस के बड़े नेताओं के निर्देश पर कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से किराए का भुगतान किया था। इन लेन-देन के साथ फर्जी किराया रसीदें तैयार की गई थीं। ईडी ने दावा किया कि साजिश थी कि यंग इंडिया के माध्यम से 2,000 करोड़ की संपत्ति कब्जे में लेकर 90 करोड़ का कर्ज लिया जाए। ईडी ने ये भी बाद यह मामला कोलकाता में शेल कंपनियों तक पहुंचा। एक करोड़ रुपए का लोन यंग इंडिया को दिया गया, जबकि इसकी बैलेंस शीट नेगेटिव थी। एएसजी राजू ने कोर्ट को बताया कि ईडी की जांच में यह भी

बताया कि कांग्रेस कमेटी ने सार्वजनिक टेंडर निकाले बिना एजीएल की संपत्ति यंग इंडिया को 50 लाख रुपये में बेच दी, जबकि एजीएल की संपत्ति 2,000 करोड़ की थी। यंग इंडिया के पास इसे चुकाने के लिए पैसे नहीं थे, जिसके सामने आया है कि यंग इंडिया पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नियंत्रण था। दोनों ने मिलकर 76 प्रतिशत शेयर अपने पास रखे थे। वास्तव में ये कंपनियां उनके नियंत्रण में थीं और इनके संचालन के लिए वो जिम्मेदार थे।

कोरोना वैक्सीन और युवा लोगों में अचानक हार्ट अटैक को लेकर उठ रहे सवाल पर बोले विशेषज्ञ, कहा- इनके बीच कोई संबंध नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन और युवा लोगों की अचानक हार्ट अटैक से हो रही मौतों को लेकर उठ रहे सवाल को विशेषज्ञों ने खारिज कर दिया। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के पूर्व महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने कहा कि कोरोना वैक्सीनेशन और युवा लोगों में अचानक हृदय संबंधी मृत्यु के बीच कोई संबंध नहीं। आईसीएमआर के हाल ही में किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है। उन्होंने कहा कि 18 से 45 वर्ष के लोगों में हार्ट अटैक से हो रही मौतों में 50 प्रतिशत से अधिक युवा धूम्रपान करने वाले होते हैं या फिर शराब पीने की लत होती हैं। कोई मधुमेह रोग से ग्रसित होते हैं या उनमें उच्च कोलेस्ट्रॉल का स्तर होता है। निचले और मध्यम स्तर के लोगों में तम्बाकू चबाने की भी रिपोर्ट है, जिससे धमनियों में कसाव, वसा जमाव और थक्का बनने की समस्या होती है, जो कोरोनरी धमनियों को अवरुद्ध कर सकता है और दिल के दौरे का कारण बन सकता है।मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि इन दिनों एक और बड़ा जोखिम है। भारी जिमिंग और बॉडीबिल्डिंग के लिए स्टेरॉयड, हार्मोन और हर्बल सप्लीमेंट जैसे असत्यापित पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है। जिम जाना अच्छा है, लेकिन ऐसे पदार्थों का सेवन करते हुए अचानक तीव्र कसरत शुरू करना खतरनाक है। युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को अपना वजन, रक्तचाप, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर के बारे में ध्यान रखना चाहिए। यदि वे सीमा के भीतर न हों तो उन्हें सुधारने के लिए कदम उठाने चाहिए। हानिकारक आदतों से बचना चाहिए। वहीं, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि कोरोना टीकों का परीक्षण व्यवस्थित प्रयोगशाला अध्ययनों, पशु विषाक्तता अध्ययनों और नैदानिक अध्ययनों के बाद किया गया था ।

कोलकाता गैंगरेप को 'छोटी घटना' बताकर टीएमसी नेता ने किया बेटियों का अपमानः तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली । कोलकाता गैंगरेप मामले पर टीएमसी नेताओं द्वारा लगातार विवादित बयान दिया जा रहा है और यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के बाद मानस भुनिया ने कोलकाता गैंगरेप को 'छोटी घटना' बताया। टीएमसी नेता के इस बयान पर भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि ममता सरकार के एक मंत्री ने बंगाल की बेटियों का अपमान किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने से बातचीत में कहा, बंगाल में बेटियों के खिलाफ अपराध लगातार हो रहे हैं और ऐसे जघन्य कृत्य को 'छोटी घटना' बताकर ममता सरकार के एक मंत्री ने बंगाल और भारत की बेटियों का अपमान किया है। इस तरह के बयान से ममता सरकार की बेटियों की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता सबके सामने आ गई है। अपराधी पर पहले से चार एफआईआर दर्ज थे, इसके बावजूद उसे कॉलेज में नौकरी दी गई। ये सोची समझी साजिश है। ममता सरकार अपराधियों की संरक्षक बन गई है। इस मामले में आरोपी के

अलावा कॉलेज के प्रबंधक की भी जांच होनी चाहिए। बंगाल की जनता इस लूटेरी और अपराधी सरकार को कठोर सजा देगी।' कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे के 'आरएसएस' पर टिप्पणी को लेकर तरुण चुघ ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के नेता तानाशाही सोच से गहराई से प्रभावित हैं। इसलिए वे प्रतिबंध, आपातकाल, देश को जेल में बदलने, नेताओं को गिरफ्तार करने, संविधान को दबाने, लोकतंत्र पर हमला करने और संस्थाओं का अपमान करने की बात करते हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस में एक नया फैशन शुरू किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'आरएसएस जैसे राष्ट्रवादी और समाज को जोड़ने वाले संगठन पर प्रतिबंध की बात करना कांग्रेस की राष्ट्रविरोधी और सनातन विरोधी मानसिकता का प्रमाण है। आरएसएस ने समाज को जोड़ा है और वे समाज में सेवा का पर्याय बने हैं। गांधी परिवार और कांग्रेस की चार पीढ़ियों ने हमेशा भारत की सनातन ताकत को कुचलने का प्रयास किया है। उन्होंने आरएसएस को रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए, लेकिन संघ प्रखर राष्ट्रवाद, देशभक्ति और सेवा कार्यों के कारण एक नायक के रूप में स्थापित है। तरुण चुघ ने केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रोत्साहन योजना युवाओं के लिए आशा की नई किरण बनी है। ये केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि भारत के आत्मनिर्भर भविष्य की बुनियाद है। पीएम मोदी ने युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का ऐतिहासिक काम किया है।

भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन 25 जुलाई से करेगी 'श्रीरामायण यात्रा' की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। भगवान श्रीराम के भक्तों के लिए एक बार फिर सौभाग्य का अवसर आया है। भारतीय रेल ने एक बार फिर 'भारत गौरव डीलक्स वातानुकूलित पर्यटक रेलगाड़ी' के माध्यम से 'श्रीरामायण यात्रा' को प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। यह विशेष तीर्थ यात्रा 25 जुलाई को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर 17 दिनों की अवधि में भगवान श्रीराम के जीवन से संबंधित प्रमुख स्थलों की यात्रा कराएगी। रेल मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस यात्रा का आयोजन भारतीय रेलवे की सहयोगी संस्था भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा भारत सरकार की 'देखो अपना देश' तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजनाओं के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देश के भीतर धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देना है। यात्रा में श्रद्धालु अयोध्या, नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, हम्पी, रामेश्वरम होते हुए दिल्ली वापस लौटेंगे। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, राम की पैड़ी का दर्शन कराया जाएगा। नंदीग्राम में भारत मंदिर, सीतामढ़ी में माता सीता का जन्मस्थल और जनकपुर का राम जानकी मंदिर सड़क मार्ग से दर्शन कराया जाएगा। बक्सर में रामरेखा घाट और रामेश्वरनाथ मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, तुलसी मंदिर, संकट मोचन हनुमान मंदिर और गंगा आरती का कार्यक्रम होगा। प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट का भ्रमण सड़क मार्ग से कराया जाएगा। इसके बाद नासिक में त्र्यंबकेश्वर मंदिर और पंचवटी क्षेत्र, हम्पी में अंजनेय पर्वत, विट्ठल मंदिर तथा विरुपाक्ष मंदिर दिखाए जाएंगे। अंतिम चरण में रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोड़ी का दर्शन होगा। इस सम्पूर्ण यात्रा में यात्री लगभग सात हजार छह सौ किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। भारत गौरव डीलक्स वातानुकूलित रेलगाड़ी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी की यात्रा सुविधा उपलब्ध है। इस रेलगाड़ी में कुल डेढ़ सौ यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है। रेलगाड़ी में दो भोजनालय, आधुनिक रसोईघर, स्नानागार, सेंसर युक्त शौचालय, पैर दबाने की मशीन, प्रत्येक कोच में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

संपादक की कलम से

वीर सावरकर का स्वप्न अवसर गवां दिया!

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने वीर सावरकर के अखंड हिंदुस्थान के सपने को साकार करने का अवसर खो दिया है। अब भक्तों ने सूत्रों के हवाले से ऐसी खबर फैला दी है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान से बाकी कश्मीर की मांग की है। हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस पाना है। पहले पीओके हमें सौंपें, तभी हम पाकिस्तान से बात कर सकते हैं। ऐसे शब्दों में मोदी ने हड़काया है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने कब और किसे हड़काया है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को वापस हासिल कर भारतीय सेनाओं ने वीर सावरकर को श्रद्धांजलि देने की तैयारी शुरू कर दी थी। अगर चार दिन और युद्ध होता तो भारत के कदम पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर पड़ जाते, लेकिन अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने सत्यानाश कर दिया। भाजपा और शिंदे गुट के लोगों का कहना है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना ने वीर सावरकर का विचार छोड़ दिया है। अब उन्हें अमेरिकी एंबेसी के सामने प्रेसिडेंट ट्रंप के पुतले जलाने चाहिए। कश्मीर से लेकर रामेश्वरम तक, सिंध से लेकर असम तक एक और अविभाज्य भारत की संकल्पना वीर सावरकर ने ही प्रतिपादित की थी। वीर सावरकर का स्वप्न स्पष्ट एवं पवित्र था। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी शिंदे मंडली वीर सावरकर के नाम का इस्तेमाल राजनीति के लिए कर रहे हैं। कलम तोड़ बंदूक उठा स्वतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर द्वारा दिया गया मंत्र था, लेकिन नकली सावरकर भक्तों ने अखंड भारत के लिए लड़ाई लड़नेवाली सेना के हाथ में मौजूद बंदूकों को ही म्यान में डलवा दी। अखंड हिंदू राष्ट्र कोई दान नहीं देगा। हमें लड़कर, युद्ध कर इसे हासिल करना होगा। हिंदू राष्ट्र हिंदुत्व का एक अंश है। असिंधु सिंधु पयंर्ता यस्य भारत भूमिका पर हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र का विश्वास करनेवाले वीर सावरकर ने कहा था।

पितृभूः पुण्यभूश्चैव स वै हिन्दुरिति स्मृतः ।। सावरकर ने हिंदू की परिभाषा इस प्रकार दी कि जो कोई सिंधु से समुद्र तक पैष्ठली भारत भूमि को अपनी पितृभूमि और पुण्यभूमि मानता है वह हिंदू है। वीर सावरकर अखंड भारत के पुरोधा थे और प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, महाराष्ट्र के शिंदे जैसे लोग मानते हैं कि वे वीर सावरकर के अखंड विचारों के समर्थक हैं, लेकिन जब वह अखंड विचार रुप ले रहा था, तब इन सभी लोगों ने गड़बड़ी क्यों की? इसे एक रहस्य ही कहा जाना चाहिए। गोडसे समर्थकों का कहना है कि नाथूराम गोडसे ने गांधीजी की हत्या इस गुस्से में की थी, क्योंकि गांधीजी ने विभाजन को मंजूरी दी थी जिसके चलते पाकिस्तान हमारी छाती पर मूंग दलने बैठ गया। बाद में गोडसे को फांसी दे दी गई, लेकिन उसकी अस्थियों को उसकी इच्छा के अनुसार विसर्जित नहीं किया गया। नाथूराम गोडसे की वसीयत में कहा गया है कि उनकी अस्थियों का विसर्जन तभी किया जाना चाहिए जब अखंड भारत हो जाए। मोदी काल में गोडसे के विचारों को मान्यता दी गई और गोडसे की जयंती और पुण्यतिथि भी मनाई जा रही है, लेकिन अगर अचानक युद्धविराम स्वीकार किए बिना चार दिन और युद्ध जारी रहता तो कश्मीर, लाहौर और कराची को भारत में मिलाया जा सकता था और गोडसे की अस्थियों को विसर्जित किया जा सकता था। यह एक पुण्य भी मोदी भक्तों ने गवां दिया है। मोदी और उनके लोग वीर सावरकर का स्वप्न भी पूरा नहीं कर सके और गोडसे की अस्थियां भी विसर्जित नहीं कर सके। हम सावरकर के सपनों का अखंड भारत साकार करेंगे यह घोषणा भी एक लफ्फाज बनकर रह गई। वीर सावरकर की संकल्पना का अखंड हिंदू राष्ट्र का भविष्य देश की आजादी की लड़ाई में खंडित होने के बाद भी सावरकर ने कहा था, हे सिंधु, मैं तुम्हें नहीं भूलूंगा। या तो मैं पागल ठहराया जाऊंगा या भविष्यवादी ठहराया जाऊंगा। उनके इस स्मरणीय उद्गार से हम व्यथित हो गए हैं। इस समय हमें इस क्षण में वीर सावरकर के गहरे आदर्शवाद की छवि दिखाई देती है, जो आज के राजनीतिक कोलाहल, चुनावी नारों या व्यवसाय में समाने या दशार्ने योग्य नहीं है। युद्ध रोकने से पहले पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर कब्जा तो कर लिया होता। गेलाबाजार बलूचिस्तान का टुकड़ा कर बदला लेना चाहिए था। भारतीय सेना ने युद्ध में अपने वीरों का बलिदान दिया, नागरिकों ने अपनी जान गंवाई, लेकिन हाथ क्या लगा? एक खबर थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की मांग की है। जो चीजें लड़कर प्राप्त की जाती हैं, वह मांग कर नहीं मिलतीं। प्रधानमंत्री मोदी ने तालियां बटोरने वाला डायलॉग मारा, अगर पाकिस्तान दोबारा गोलीबारी करता है तो आपको गोला यानी बम दागना चाहिए। आखिर पाकिस्तानियों को गोली चलाने के लिए जीवित क्यों छोड़ दिया गया? वीर सावरकर की आत्मा भी यही सवाल पूछ रही होगी। मोदी, शिंदे आदि ने वीर सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकार खो दिया है। सावरकर का अखंड हिंदू राष्ट्र का सपना इसी वक्त तक साकार हो चुका होता। मोदी और उनके लोगों ने वह अवसर गवां दिया है!

वायु प्रदूषण और शोर की दोहरी मार से बढ़ सकता है स्ट्रोक का खतरा, रिसर्च में हुआ खुलासा

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में वायु प्रदूषण और शोरगुल एक आम बात हो गई है. हम रोज अपने आस-पास धूल, धुआं और ट्रैफिक के शोर से घिरे रहते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि ये दोनों चीजें मिलकर हमारे दिमाग पर खतरनाक असर डाल रही हैं? हाल ही में एक रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. वायु प्रदूषण और सड़क के शोर की दोहरी मार से स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ सकता है.

डेनमार्क में की गई इस स्टडी में करीब 3.5 मिलियन लोगों के डेटा का विश्लेषण किया गया. यह अध्ययन करीब 10 सालों तक किया गया. रिसर्च में यह पाया गया कि जिन इलाकों में वायु प्रदूषण और सड़क का शोर ज्यादा था, वहां लोगों को स्ट्रोक होने का खतरा भी ज्यादा देखा गया. इस स्टडी में खासतौर पर दो मुख्य कारणों पर ध्यान दिया गया.

गाड़ियों से होने वाला लगातार शोर

हवा में मौजूद बारीक प्रदूषण कण और गाड़ियों से होने वाला लगातार शोर का जब असर एक साथ होता है, तो हमारे मस्तिष्क की नसों पर बुरा असर पड़ता है, जिससे स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है.

कैसे करता है वायु प्रदूषण नुकसान?

हवा में मौजूद बारीक कण (ढट2.5) हमारे फेफड़ों के जरिए खून में पहुंच जाते हैं. ये कण खून में सूजन पैदा करते हैं और धमनियों को नुकसान पहुंचाते हैं. इससे खून का बहाव प्रभावित होता है, जो स्ट्रोक का मुख्य कारण बन सकता है. इसके अलावा, प्रदूषण से शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन जैसी समस्याएं भी होती हैं, जो दिमाग की नसों को कमजोर कर सकती हैं.

शोर का मस्तिष्क पर असर

लगातार ट्रैफिक का शोर या तेज आवाजें मस्तिष्क के लिए तनाव का कारण बनती हैं. जब इंसान लंबे समय तक शोर में रहता है, तो उसकी नींद पर असर पड़ता है, दिल की धड़कन तेज होती है और मानसिक थकावट बढ़ जाती है।

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियांः सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मजबूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फर्ज है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है।

आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं।

भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक परिवार के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ मैं और मेरापन जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है।

आदमी की हर कोशिश घर-परिवार बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है।

परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा देगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मयार्दा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी संयुक्त परिवार का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है। संयुक्त परिवार का कारण भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त प्राचीन परंपराओं तथा आदर्श में निहित है। रामायण और महाभारत की गाथाओं द्वारा यह आदर्श जन-जन में संप्रेषित है। इंसानी रिश्तों एवं पारिवारिक परम्परा के नाम पर उठा जिन्दगी का यही कदम एवं संकल्प कल की अगवानी में परिवार के नाम एक नायाब तोहफा होगा।

प्रेषकः

क्या सौदा हुआ?

भारत एक संप्रभु एवं स्वतंत्र राष्ट्र है। किसी भी बाहरी राष्ट्र को हमारे राष्ट्र के मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है, लेकिन अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में हस्तक्षेप किया है और भारत ने ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। ट्रंप ने अपने एक्स अकाउंट पर पारस्परिक रूप से घोषणा की कि भारत ने युद्धविराम स्वीकार कर लिया है। तब तक भारतवासियों और भारतीय सेना को इस युद्धविराम के बारे में जानकारी नहीं थी। प्रेसिडेंट ट्रंप को सरपंच का यह अधिकार किसने दिया? १९७१ के भारत-पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच हुए शिमला समझौते के अनुसार, तीसरे देशों को दोनों देशों के बीच संघर्ष में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन अब भारत के प्रधानमंत्री ने ही शिमला समझौते का उल्लंघन किया। भारत ने ट्रंप के दबाव के आगे झुककर युद्धविराम को मंजूरी दे दी, लेकिन क्या ऑपरेशन सिंदूर या पाकिस्तान का बदला पूरा हो गया है? इसका जवाब देश को नहीं मिला। पाकिस्तान अभी भी उसी तरह खड़ा है और पाकी प्रधानमंत्री ने यह घोषणा करके कि हमने युद्ध जीत लिया है, पहलगाम हमले में सिंदूर खोने वाली २६ बहनों के घावों पर नमक छिड़क दिया। जबकि यह सब हो रहा है, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। युद्ध शुरू होने से पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में गरजते हुए कहा था कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का ही हिस्सा है। हम इसके लिए अपनी जान दे देंगे, लेकिन जब भारतीय सेना इस कश्मीर को लेने के लिए आगे बढ़ी तो मोदी-शाह ने सीधे युद्धविराम स्वीकार कर लिया और प्रेसिडेंट ट्रंप के सामने शरणागत हो गए। पाकिस्तान के साथ संघर्ष में कल तक सात जवानों का बलिदान हुआ, क्या वे व्यर्थ गए? पाक हमले में पुंछ, राजौरी में १२ निर्दोष नागरिक मारे गए उनकी क्या गलती थी? पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू होते ही प्रधानमंत्री मोदी का जोश इस तरह था कि अब वे पीछे नहीं हटेंगे। मोदी के जोश के चलते देश और सेना में नई ऊर्जा का निर्माण होते ही प्रेसिडेंट ट्रंप ने विघ्न डाल दिया। पाकिस्तान के हमले में सात भारतीय जवान शहीद हुए। इन्हीं में से एक हैं मुंबई के मुरली नाईक और इस युवा शहीद की उम्र महज २३ साल है। उरी सेक्टर में पाकिस्तानी गोलीबारी का जवाब देते हुए मुरली नाईक और दिनेश शर्मा वीरतापूर्वक शहीद हो गए। दिनेश शर्मा भी एक युवा सिपाही हैं। दोनों पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान से भिड़ गए। उन्होंने देश के लिए अद्वितीय वीरता दिखाई और भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। ऐसे हजारों दिनेश शर्मा, मुरली नाईक भारतीय सीमा पर लड़ रहे हैं और सीने पर गोलियां खा रहे हैं। मुरली नाईक के माता-पिता घाटकोपर की झोपड़पट्टी में रहते हैं। मेहनत-मजदूरी करके घर चलाते हैं। भारत माता की रक्षा के लिए देश की सीमा पर लड़ते हुए एक इकलौता बेटा शहीद हो गया। मुरली के पिता ने कहा मुझे गर्व है कि मेरा बेटा देश के लिए न्योछावर हो गया है, लेकिन उन्हें भी कलेजे के टुकड़े को खोने का दुख तो होगा ही। जिन्हें युद्ध का राजनीतिक उन्माद चढ़ा है, उन्हें यह याद रखना चाहिए। जो युद्ध के राजनीतिक उन्माद में बेहोश हो चुके हैं, जिन्होंने कभी देश के लिए त्याग नहीं किया, न ही चवन्नी का साहस दिखाया, लेकिन ऐसा प्रचारित किया जा रहा है।

मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा।

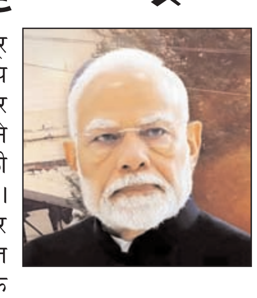

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है।

मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है। मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा।

कैलिफोर्निया के पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद लगी आग, सात व्यक्ति लापता

सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया)। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के योलो काउंटी में एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट के बाद आग लग गई। इस गोदाम में आतिशबाजी की सामग्री और उपकरण रखे हुए थे। देखते ही देखते यह आग लगभग 80 एकड़ में फैल गई। विस्फोट के समय गोदाम में मौजूद रहे लोगों में सात अभी तक लापता हैं।एनबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, यह गोदाम सेक्रामेंटो के उत्तर-पश्चिम में एस्पार्टो क्षेत्र में है। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल के जवान शाम करीब 5:50 बजे पहुंचे। तब रुक-रुक कर विस्फोट हो रहे थे और आग की लपटों से कई इमारतें घिरी हुई थीं। एस्पार्टो फायर प्रोटेक्शन डिस्ट्रिक्ट के प्रमुख कर्टिस लॉरेंस ने बताया कि हेलीकॉप्टर से बनाए गए वीडियो में गोदाम में आग लगने से पहले छत से सफेद धुआं निकलता दिखाई दिया। फायर मार्शल के कार्यालय के अनुसार, बुधवार को जोखिम कुछ कम हुआ है। इसलिए निकासी आदेश जारी किए गए हैं। खतरों का आकलन करने के लिए घटनास्थल के आसपास अधिकारियों की टीम मौजूद है। आग लगने के बाद घर छोड़कर भागे निवासियों की वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं।एस्पार्टो फायर चीफ लॉरेंस के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि संपत्ति का मालिक पायरोटेक्निक लाइसेंसधारक है। आतिशबाजी कंपनी डेवास्टेटिंग पायरोटेक्निक्स ने बुधवार को अपनी वेबसाइट पर कहा कि प्रबंधन को प्रभावित लोगों की चिंता है। कंपनी जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

इंडोनेशिया में बाली के पास नौका डूबी, तीन की मौत, 58 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली के पास एक नौका के डूब जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और 58 अन्य लापता हो गए। खोज और बचाव दल लापता यात्रियों की तलाश कर रहा है। दल ने चार लोगों को बचा लिया है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, यह नौका दुर्घटना आधी रात से कुछ पहले हुई। एक वरिष्ठ बचाव अधिकारी ने आज सुबह इसकी पुष्टि की। बाली में खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख आई न्योमन सिदकार्या के अनुसार, यह नौका बाली और पूर्वी जावा प्रांत के बीच समुद्री सीमा पर ऊंची लहरों से टकराकर डूब गई। उन्होंने कहा कि तीन लोगों की मौत हो गई। चार अन्य को जीवित बचा लिया गया। यह नौका पूर्वी जावा के बन्युवांगी रीजेंसी के एक बंदरगाह से रवाना हुई थी। नौका बाली के जेम्ब्राना रीजेंसी के गिलिमनुक गांव के एक बंदरगाह के रास्ते पर थी, अचानक उठी ऊंची लहरों के दौरान पलट गई। खोज और बचाव अभियान चल रहा है। इस अभियान में बाली और पूर्वी जावा दोनों की टीमें शामिल हैं। हादसे के समय नौका पर 53 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे।

प्रधानमंत्री ओली को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, पिछले कार्यकाल की सभी संवैधानिक नियुक्तियां वैध करार

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की चार साल पहले की गई 52 संवैधानिक नियुक्तियों को सुप्रीम कोर्ट ने वैध करार देते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने 3-2 के बहुमत से फैसला सुनाया। प्रधानमंत्री ओली के पिछले कार्यकाल में संसद के विघटन के बाद भी देश के सभी महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्ति की गई थीं। इसके लिए अध्यादेश लाते हुए संवैधानिक परिषद के बैठकों की नियमावली बदली गई थी। ओली के इस फैसले के खिलाफ में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायक करते हुए नियुक्तियों को रद्द करने की मांग की गई थी। चार साल तक सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच में इसकी सुनवाई हुई। करीब 14 घंटे की लगातार बैठक के बाद मध्यरात करीब सवा 12 बजे सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने फैसले में सभी 52 नियुक्तियों को वैध करार दिया। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत, न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज शर्मा, कुमार चुड़ाल और नहकूल सुवेदी ने फैसला सुनाया। प्रधान न्यायाधीश राउत ने कहा कि उनके सहित एक और जज नहकूल सुवेदी ने इन सभी नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया है।

माली में सात शहरों पर आतंकी हमला, तीन भारतीयों का अपहरण, केंद्र सरकार ने चिंता जताई, अल कायदा पर शक

नई दिल्ली/बमाको। अफ्रीकी देश माली में तीन भारतीय नागरिकों को अगवा कर लिया गया है। केंद्र सरकार ने इस पर गहरी चिंता जताई है। केंद्र ने माली सरकार से संपर्क कर तीनों भारतीय नागरिकों की जल्द से जल्द रिहाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है। भारत के विदेश मंत्रालय की कल देररात जारी विज्ञप्ति में कहा कि यह घटना 01 जुलाई की है। अपहरण का यह वाकया उस समय हुआ जब आतंकवादी समूह अल कायदा से संबद्ध एक जिहादी समूह के आतंकवादियों ने माली के सात प्रमुख शहरों पर एक साथ हमला किया। इसलिए शक की सूई अल कायदा पर ठहर रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, माली गणराज्य के कायेस में डायमंड सीमेंट फैक्टरी में कार्यरत तीन भारतीय नागरिकों को अपहृत कर लिया गया है।हथियारबंद हमलावरों के एक समूह ने फैक्टरी परिसर में हमलाकर तीन भारतीय नागरिकों को जबरन बंधक बना लिया।

अमेरिकी संसद ने पास किया ट्रंप का 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल'

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का महत्वाकांक्षी वन बिग ब्यूटीफुल बिल अब कानून बन जाएगा। रिपब्लिकन बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा ने इसे मामूली अंतर से पास कर दिया। इसी के साथ प्रतिनिधि सभा ने कर कटौती को बढ़ाकर और सामाजिक सुरक्षा जाल कार्यक्रमों में कटौती करके राष्ट्रपति ट्रंप के घरेलू एजेंडे को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। इस बिल पर दोनों सदनों की मुहर को ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और अन्य अमेरिकी अखबारों की खबर के अनुसार, बिल का दोनों सदनों में पास होना ट्रंप और उनकी पार्टी के लिए भले ही तात्कालिक जीत है पर अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले इसे बड़ा राजनीतिक जुआ माना जा रहा है। कमजोर रिपब्लिकन सांसदों को निश्चित रूप से लाभ में कटौती करने वाले एजेंडे का समर्थन करने पर तीखे हमलों का सामना करना पड़ेगा।

बताया गया है कि दो रिपब्लिकन को छोड़कर सभी ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया और डेमोक्रेट ने समान रूप से विरोध किया। न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट प्रतिनिधि हकीम जेफ्रीज ने इस विधेयक को संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों की स्वास्थ्य देखभाल पर एक चौतरफा हमला बताया। जेफ्रीज ने प्रतिनिधि सभा के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर रिकार्ड बनाया। वह विधेयक पर आठ घंटे 46 मिनट तक बोले। जेफ्रीज ने तड़के 4:53 बजे बोलना शुरू किया और दोपहर 1:38 बजे शांत हुए।

दोनों सदनों से पारित बिग ब्यूटीफुल बिल के नाम से चर्चित इस विधेयक को हस्ताक्षर करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के पास भेज दिया गया। उनके हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह विधेयक कानून बन जाएगा। 218-214 मत के मामूली बहुमत से पारित यह विधेयक रिपब्लिकन राष्ट्रपति के लिए खास है। इस विधेयक में सीमा सुरक्षा, सेना और सामूहिक निर्वासन के लिए खर्च बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। यह मेडिकेयर में भारी कटौती करेगा और सरकार के ऋण में खरबों डॉलर जोड़ेगा। कराधान पर संयुक्त समिति ने अनुमान जताया है कि यह विधेयक 10 वर्ष में 36.2-ट्रिलियन डालर ऋण में 3.3 ट्रिलियन डालर और जोड़ देगा। राजस्व में 4.5 ट्रिलियन डॉलर की कमी करेगा और खर्च में 1.2 ट्रिलियन डालर की कटौती करेगा।आर्थिक समीक्षकों का कहना है कि बेशक यह निकट अवधि में अमेरिकी सरकार के ऋण डिफॉल्टर बनने की आशंका को टालता है, लेकिन अमेरिका की दीर्घकालिक ऋण समस्याओं को और बदतर बनाएगा। यह स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में कटौती करने के साथ हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देने वाली दर्जनों योजनाओं पर पूर्णविराम लगा देगा। यूनाइटेड फूड एंड कमर्शियल वर्कर्स इंटरनेशनल यूनियन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मिल्टन जोन्स ने कहा कि यह निराशाजनक है। कांग्रेस ने इस नुकसानदायक, बदसूरत विधेयक को पारित कर दिया है। यह कामकाजी परिवारों की जरूरतों को नजरअंदाज करता है। यह ऐसी कटौतियां करता है जो न केवल क्रूर बल्कि आर्थिक रूप से लापरवाहीपूर्ण हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने इस बिल के दोनों सदनों से पास होने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि अब लाखों परिवारों को डेथ टैक्स से आजादी मिल गई।अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इस बिल से बेहतर तोहफा कोई दूसरा नहीं हो सकता। इस बिल के साथ 2024 में आयोवा के लोगों से किया गया मेरा हर बड़ा वादा पूरा हो गया।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने मोंटाना में नाबालिगों की गर्भपात पर पैरेंटल कंसेंट कानून को पुनर्जीवित करने की याचिका खारिज की

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने मोंटाना राज्य की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें नाबालिगों के गर्भपात के लिए अभिभावकों की सहमति को अनिवार्य बनाने वाले कानून को फिर से प्रभावी करने की मांग की गई थी। यह कानून 2013 में पारित हुआ था, लेकिन इसे अदालत में चुनौती दी गई और यह कभी लागू नहीं हो सका। पिछले साल मोंटाना में सुप्रीम कोर्ट ने इसे अमान्य घोषित कर दिया था। मोंटाना में मतदाताओं ने हाल ही में राज्य के संविधान में गर्भपात के अधिकार को स्पष्ट रूप से सुरक्षित किया है। राज्य के रिपब्लिकन नेताओं का तर्क था कि यह फैसला माता-पिता के अधिकारों का उल्लंघन करता है। राज्य सरकार की ओर से अदालत में कहा गया, मोंटाना यहां जिन अधिकारों की रक्षा करना चाहता है अपने बच्चे के स्वास्थ्य निर्णयों के बारे में जानने और भाग लेने का अधिकार वह माता-पिता के बुनियादी अधिकारों के केंद्र में आता है।हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मामला नहीं सुना, लेकिन दो रूढ़िवादी न्यायाधीश सैमुअल एलिटो और क्लेरेंस थॉमस ने अलग से लिखा कि यह इनकार केवल तकनीकी कानूनी मुद्दों पर आधारित है, न कि राज्य के दावे की अस्वीकृति पर। प्लांड पेरेंटहुड संस्था, जिसने इस कानून का विरोध किया, ने कहा कि मोंटाना सुप्रीम कोर्ट का फैसला बच्चों के अधिकारों और माता-पिता के अधिकारों के बीच संतुलन बनाता है, खासकर उस राज्य में जहां गर्भपात का संवैधानिक अधिकार सुरक्षित है। कानून के अनुसार, 18 वर्ष से कम उम्र की किशोरी को गर्भपात कराने के लिए माता-पिता की लिखित और नोटरी प्रमाणित सहमति जरूरी होती।

हॉलीवुड अभिनेता माइकल मैडसेन का 67 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता माइकल मैडसेन का 67 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने से गुरुवार सुबह निधन हो गया। उन्हें मालिबू स्थित उनके घर में बेहोश पाया गया। उन्होंने फिल्म निर्देशक क्वेंटिन टारनटिनो की कई फिल्मों में यादगार अभिनय किया है। उनकी प्रवक्ता लिज रोड्रिगेज ने यह जानकारी दी। सीएनएन की खबर के अनुसार, इस संबंध में बोहेमिया एंटरटेनमेंट के सुसान फेरिस और रॉन स्मिथ और प्रवक्ता लिज रोड्रिगेज ने संयुक्त बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि माइकल मैडसेन हॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक थे। उन्हें बहुत से लोग याद करेंगे। लॉस एंजिल्स शेरिफ डिपार्टमेंट लॉस्ट हिल्स स्टेशन के वॉच कमांडर सार्जेंट क्रिस्टोफर जौरेगुई ने कहा कि सुबह अधिकारी मालिबू में मैडसेन के घर पहुंचे और उन्हें बेहोश पाया। स्थानीय समयानुसार सुबह 8:25 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मैडसेन की कुछ यादगार फिल्मों में रिजर्वायर डॉग्स, वन्स अपॉन

ए टाइम इन हॉलीवुड और किल बिल प्रमुख हैं। किल बिल में उनकी खलनायक की भूमिका को कभी नहीं भुलाया जा सकता। उन्होंने 80 के दशक की शुरुआत में टीवी को अभिनय का माध्यम चुना।1983 में सेंट एल्सवेयर में एक शुरुआती भूमिका ने उन्हें पहली बार अभिनय के मानचित्र पर ला खड़ा किया। इसके कुछ समय बाद वह फिल्मों की दुनिया में चले गए। 1991 में रिडले स्कॉट निर्देशित फिल्म थेल्मा एंड लुईस में अपनी छाप छोड़ी। इसमें उन्होंने लुईस (सुसान सारंडन) के प्रेमी जिमी की भूमिका निभाई। अगले साल उन्होंने टारनटिनो के साथ पहली बार रिजर्वायर डॉग्स में काम किया। हिंसा प्रधान इस फिल्म में मैडसेन ने क्रूर मिस्टर ब्लोंड की भूमिका निभाई। उन्होंने एक्शन फिल्मों में भी हाथ आजमाया। 1994 की वायट इयरप ऐसी ही एक मूवी है। उन्होंने 1997 में डॉनी ब्रास्को, 2002 में जेम्स बॉन्ड फिल्म डाई अदर डे और 2005 की सिन सिटी जैसी हिट फिल्मों में काम किया। मैडसेन की जिन्दगी में कई उतार-चढ़ाव भी आए। पिछले साल उन्हें अपनी पत्नी डीअन्ना मैडसेन के साथ विवाद के बाद घरेलू हिंसा के संदेह में गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ट्रंप के 4.5 ट्रिलियन डॉलर टैक्स बिल को दी मंजूरी, अब राष्ट्रपति की सहमति बाकी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके दूसरे कार्यकाल की सबसे बड़ी नीति सफलता मिली है। प्रतिनिधि सभा ने उनके 4.5 ट्रिलियन डॉलर के टैक्स ब्रेक्स और खर्च कटौती बिल को 218-214 मतों से पारित कर दिया, जिसके बाद यह विधेयक अब उनके हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। बिल को स्वतंत्रता दिवस से पहले पास करना ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य था।

यह बिल 2017 के टैक्स ब्रेक्स को स्थायी बनाता है, जिसमें अब नए प्रावधानों के तहत टिप्स, ओवरटाइम और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 6,000 डॉलर तक की अतिरिक्त कटौती शामिल है। इसके अलावा, 350 बिलियन डॉलर की राष्ट्रीय सुरक्षा निवेश, ट्रंप की डिपोर्टेशन नीति और अमेरिका के ऊपर ÷गोल्डन डोम÷ डिफेंस सिस्टम के विकास में भी यह बिल सहायता करेगा। बिल में 1.2 ट्रिलियन डॉलर की कटौती मेडिकेड और फूड स्टैम्प कार्यक्रमों से की गई है, जिससे बुजुर्गों और कुछ माता-पिताओं पर कार्य अनिवार्यता जैसे नियम लागू होंगे। इसके साथ ही, ग्रीन एनर्जी टैक्स क्रेडिट्स में बड़ी कटौती की गई है।

डेमोक्रेट्स ने बिल का कड़ा विरोध किया, जिसे उन्होंने अमीरों के लिए टैक्स गिफ्ट और गरीबों के लिए सजा बताया। डेमोक्रेट नेता हकीम जेफरीज ने इस बिल के खिलाफ लगातार 8 घंटे 44 मिनट तक भाषण दिया और कहा, यह विधेयक अमेरिकी लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर हमला है। वहीं, ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन

इसे एक सुंदर और निर्णायक विधेयक कह रहे हैं। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा, हम एक ही बिल के जरिए देश को पहले से अधिक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध बना रहे हैं। हालांकि, कांग्रेसनल बजट ऑफिस का अनुमान है कि यह पैकेज आगामी 10 वर्षों में 3.3 ट्रिलियन डॉलर का घाटा बढ़ाएगा और लगभग 1.18 करोड़ अमेरिकी स्वास्थ्य कवरेज से वंचित हो सकते हैं।

पाकिस्तान में चेक महिला पर्वतारोही नंगा पर्वत बेस कैंप के पास खड्ड में गिरी, मौत, शुरू होगा खोज अभियान

एजेंसी

इस्लामाबाद। दुनिया के नौवें सबसे ऊंचे पर्वत नंगा की चढ़ाई के लिए पहुंचे चेक गणराज्य के एक पर्वतारोही की बेस कैंप के पास खड्ड में गिरने से मौत हो गई। यह हादसा हुआ। दुनिया में किलर माउंटेन के नाम से कुख्यात नंगा पर्वत गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) में है। अधिकारियों के अनुसार, खोज अभियान आज शुरू हो सकता है। डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार, जीबी मुख्यमंत्री के समन्वयक मोहम्मद कासिम ने बताया कि नंगा पर्वत बेस कैंप में गुरुवार सुबह लगभग चार बजे यह दुखद घटना घटी। इस घटना में चेक गणराज्य की पर्यटक कोलोचावा क्लारा की मौत हो गई। उन्होंने क्लारा की मौत का कारण ऑक्सीजन सिलेंडर विस्फोट बताया। डायमर के अतिरिक्त उपायुक्त निजामुद्दीन कासिम के अनुसार, महिला पर्वतारोही कोलोचावा क्लारा कैंप

वन और कैंप टू के बीच की ऊंचाई से गिरी। वह जिस स्थान पर वह गिरीं उसका पता लगाने के बाद शुक्रवार को खोज अभियान शुरू किया जा सकता है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि महिला पर्वतारोही के साथ गई टीम इस हादसे के बाद बेस कैंप लौट आई और क्लारा की मौत की सूचना वहीं से दी। अतिरिक्त उपायुक्त निजामुद्दीन ने साफ किया कि प्रारंभिक सूचना में बताया गया था कि विदेशी महिला की मौत ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से हुई, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह एक खड्ड में गिर गई थीं, जो उनकी मौत का कारण बना। कासिम ने कहा कि वह 15 जून से अपनी टीम के साथ चिलास में रह रही थीं और 16 जून को बेस कैंप के लिए रवाना हुई थीं। सभी 17 जून को बोनर बेस कैंप पहुंचे। उन्होंने कहा कि क्लारा की खोज के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि नंगा पर्वत को किलर माउंटेन उपनाम तब मिला जब 1953 में 30 से अधिक पर्वतारोहियों की इस पर चढ़ने की कोशिश में मौत हो गई थी। नंगा पर्वत की चोटी से सिंधु नदी बिलकुल साफ दिखती है। सिंधु नदी नंगा पर्वत के उत्तरी भाग से घूमकर दक्षिण-पश्चिम में पाकिस्तान के बीच से गुजरती है। सिंधु नदी का उद्गम तिब्बत के मानसरोवर के निकट सिन-का-बाब जलधारा को माना जाता है।

प्रधानमंत्री शहबाज के मानहानि केस का सामना कर रहे इमरान खान पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मानहानिक केस का सामना कर रहे और लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने मामले की सुनवाई करने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है। पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, याचिका में पीटीआई संस्थापक ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि जब तक उनकी अपील पर कोई फैसला नहीं आ जाता, तब तक मानहानि मामले में कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। उनका तर्क है कि कानून के तहत केवल जिला और सत्र न्यायालय को ही ऐसे मानहानि के मामलों की सुनवाई करने का अधिकार है। याचिका में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के अधिकार क्षेत्र को भी चुनौती दी गई है, जिनके फैसले को पहले लाहौर हाई कोर्ट ने बरकरार रखा था। खान की कानूनी टीम ने सुप्रीम कोर्ट से अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और लाहौर हाई कोर्ट दोनों के आदेशों को रद्द करने की मांग की है। इसके अलावा, याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अपील पर निर्णय होने तक मामले में आगे की कार्यवाही को रोकने का आग्रह किया गया है। साल 2017 में शहबाज शरीफ ने तत्कालीन विपक्षी नेता इमरान खान के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। खान पर प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देने का आरोप लगाया गया था। मुकदमे के अनुसार, ये निराधार और दुर्भावनापूर्ण बयान मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित किए गए। इससे शरीफ की सार्वजनिक छवि खराब हुई। उन्हें अत्यधिक मानसिक यातना, पीड़ा और चिंता के दौर से गुजरना पड़ा।

13वें वर्ल्ड पीस फोरम में वैश्विक सुरक्षा पर गहन मंथन

एजेंसी

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में आयोजित 13वें वर्ल्ड पीस फोरम में 86 देशों और क्षेत्रों के 1,200 से अधिक विशेषज्ञ, नीति निर्माता और पूर्व राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। फोरम का इस बार का थीम वैश्विक शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाना- साझा जिम्मेदारी, लाभ और उपलब्धि है। फोरम का उद्घाटन करते हुए त्सिंगहुआ विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और वर्ल्ड पीस फोरम के चेयरमैन ली लुमिंग ने कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में अस्थिरता और बढ़ते क्षेत्रीय संघर्षों के कारण विश्व शांति और विकास अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे समय में वैश्विक एकता और संवाद को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। फोरम के प्रमुख वक्ताओं में

शामिल जापान के पूर्व प्रधानमंत्री युकियो हातोयामा ने कहा कि ÷शांति हथियारों से नहीं, संवाद से हासिल की जा सकती है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जापान को अमेरिका से अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता मजबूत करते हुए चीन और कोरिया के साथ त्रिपक्षीय सहयोग बढ़ाना चाहिए। हातोयामा ने ताइवान मुद्दे को चीन का आंतरिक मामला बताया और जापान से आग्रह किया कि वह ताइवान की स्वतंत्रता के समर्थन से स्पष्ट रूप से दूरी बनाए ताकि क्षेत्रीय तनाव को कम किया जा सके।

फोरम में कुल चार मुख्य सत्र और 18 पैनल चर्चाएं आयोजित होंगे, जिनमें अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, वैश्विक सुरक्षा संकट, ग्लोबल साउथ की भूमिका और महाशक्तियों के बीच समन्वय जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। यह फोरम 2012 से त्सिंगहुआ विश्वविद्यालय और चीनी जन विदेश मामलों की संस्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नीति विशेषज्ञों और वैश्विक थिंक टैंकों के लिए संवाद का एक प्रभावी मंच प्रदान करना है।

यूक्रेन युद्ध पर पीछे नहीं हटेगा रूस, ट्रंप से फोन पर बातचीत में पुतिन का दो टूक बयान

एजेंसी

मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक महत्वपूर्ण टेलीफोन वार्ता हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने ईरान, यूक्रेन और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि पुतिन ने ट्रंप से बातचीत के दौरान स्पष्ट किया कि रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर अपने मूल उद्देश्यों से पीछे नहीं हटेगा। यह इस वर्ष ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद दोनों नेताओं की छठी सार्वजनिक रूप से पुष्टि की गई बातचीत थी। इस बातचीत को लेकर क्रेमलिन के वरिष्ठ सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि हमारे राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि रूस उन कारणों को खत्म करने के अपने लक्ष्य में अडिग है, जिन्होंने मौजूदा टकराव को जन्म दिया है, और वह इन लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। हालांकि, पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि रूस यूक्रेन के साथ बातचीत से समाधान निकालने के लिए

तैयार है। इस विस्तृत वार्ता में ईरान और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा हुई। ट्रंप ने एक बार फिर युद्ध को शीघ्र समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। जबकि पुतिन ने कहा कि सभी विवादों को केवल राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से सुलझाया जाना चाहिए।यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप ने शीघ्र संघर्षविराम की आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि पुतिन ने कहा कि रूस कीव के साथ वार्ता को लेकर तैयार है, लेकिन साथ ही यह भी दोहराया कि मॉस्को अपने ÷रणनीतिक लक्ष्य÷ प्राप्त करने और संघर्ष के ÷मूल कारणों÷ को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।पुतिन ने यह भी दोहराया कि शांति समझौते की कोई भी संभावना यूक्रेन द्वारा नाटो में शामिल होने की योजना छोड़ने और रूस द्वारा कब्जाए गए क्षेत्रों को मान्यता देने पर ही आधारित हो सकती है, जिसे कीव और उसके पश्चिमी सहयोगी सिरे से खारिज करते रहे हैं। इस बातचीत की पृष्ठभूमि में पेंटागन द्वारा यूक्रेन को हथियारों की कुछ खेपों को अस्थायी रूप से रोकने की पुष्टि हुई है। इनमें एयर डिफेंस मिसाइल और प्रिसिशन गाइडेड आर्टिलरी जैसे अहम हथियार शामिल हैं।

ईरान की सेना इजराइली आक्रमण का मुकाबला करने के लिए तैयार

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने कहा है कि उसकी सेना इजराइल के किसी भी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए तैयार है। ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा। विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने अपने वेनेजुएला के समकक्ष इवान गिल पिंटो को फोन पर बातचीत में अपने रुख से अवगत कराया।

ईरान सरकार के इस्लामिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की न्यूज एजेंसी मेहर की खबर के अनुसार, अराघची ने इवान गिल पिंटो से ईरान के खिलाफ इजराइली शासन और अमेरिका के सैन्य आक्रमण के बाद पश्चिम एशिया क्षेत्र के नए घटनाक्रम पर चर्चा की।

शीर्ष ईरानी राजनयिक ने इजराइल और अमेरिकी सैन्य आक्रमण की निंदा करने के लिए वेनेजुएला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। अराघची ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने आक्रमण में संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और नियमों का उल्लंघन किया है।वेनेजुएला के विदेशमंत्री ने इस बातचीत में इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई, ईरान सरकार और लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक मित्र देश के रूप में वेनेजुएला हमेशा इस्लामी गणराज्य ईरान के साथ खड़ा रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक शासन प्रणाली में प्रभावी सुधारों की आवश्यकता पर दिया जोर

एजेंसी

अक्रा (घाना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अफ्रीकी देश घाना की लोकतांत्रिक आदर्शों एवं समावेशी प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता को पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया और जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा जैसे नए और जटिल संकटों का सामना कर रही दुनिया को बचाने के लिए वैश्विक शासन प्रणाली में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने आज घाना की संसद के एक विशेष सत्र को संबोधित किया और ऐसा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। संसद अध्यक्ष अल्बान किंग्सफोर्ड सुमाना बागबिन द्वारा आयोजित इस सत्र में संसद सदस्यों, सरकारी अधिकारियों और दोनों देशों के विशिष्ट मेहमानों ने भाग लिया। उन्होंने माना कि यह संबोधन भारत-घाना संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करता है, जो दोनों देशों को एकजुट करने वाले आपसी सम्मान और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता के लिए साझा संघर्षों और लोकतंत्र और समावेशी विकास के प्रति एक समान प्रतिबद्धता के माध्यम से बनाए गए भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक बंधनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामणि महामा और घाना के लोगों के प्रति उन्हें प्रदान किए गए राष्ट्रीय सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और इसे स्थायी मित्रता का प्रतीक बताया। घाना के महान नेता डॉ. क्वामे नक्रमाह के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि एकता, शांति और न्याय के आदर्श मजबूत और स्थायी साझेदारी की नींव हैं। डॉ. नक्रुमा को उद्धृत करते हुए, जिन्होंने एक बार

कहा था- जो ताकतें हमें एकजुट करती हैं वे आंतरिक हैं और अधिरोपित प्रभावों से अधिक हैं जो हमें अलग रखती हैं और जिन्होंने लोकतांत्रिक संस्थानों के निर्माण के दीर्घकालिक प्रभाव पर बहुत जोर दिया, प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों के पोषण के महत्व को रेखांकित किया। यह देखते हुए कि भारत ने लोकतंत्र की जननी के रूप में लोकतांत्रिक लोकाचार को अपनी संस्कृति के हिस्से के रूप में अपनाया है, प्रधानमंत्री ने भारत में लोकतंत्र की गहरी और जीवंत जड़ों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विविधता में एकता की शक्ति के प्रमाण के रूप में भारत की विविधता और लोकतांत्रिक शक्ति की ओर इशारा किया, जो घाना की अपनी लोकतांत्रिक यात्रा में प्रतिध्वनित मूल्य था। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, महामारी और साइबर खतरों जैसी महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और वैश्विक शासन में एक सामूहिक वैश्विक दक्षिण आवाज का आह्वान किया। इस संदर्भ में उन्होंने भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने को रेखांकित किया।

उत्सव की तैयारियों को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक

दिव्या दिल्ली-रंजीत लाहौली (केलांग)

जनजातीय उत्सव 2025 के सफल आयोजन के लिए आज उपायुक्त कार्यालय के सभागार में उत्सव की विभिन्न तैयारिया के संदर्भ में उपायुक्त लाहौल स्पीती एवं जनजातीय उत्सव मेला कमेटी अध्यक्ष किरण भड़ाना की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।उपायुक्त ने कहा कि लाहौल स्पीती जिला इको सैंसटिव जोन है और 14 अगस्त से 16 अगस्त 2025 तक आयोजित होने बाले जनजातीय उत्सव का आयोजन प्र्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा और उत्सव की थीम ईको फ्रैंडली फेयर होगी। उन्होंने बताया कि उत्सव के दौरान किसी भी व्यापारिक व अन्य गतिविधियों में प्लास्टिक का प्रयोग नहीं किया जाएगा ताकि आमजनता को भी प्लास्टिक का प्रयोग ना करने बारे प्रेरित हो। उन्होंने इस दौरान उत्सव के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों को गठन किया और समयवद्ध सभी प्रकार की तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मेला स्थल पर पगोड़ा शैली में स्टाल लगाए जाएंगें। उन्होंने बताया कि जिला के प्रगतिशील किसानों के उत्पाद को भी मेला में दशार्या जाएगा।उन्होंने अधिकारियों को उत्सव में बच्चों, युवाओं, महिलाओं व बुजुर्गों की सक्रिय सहभागिता के लिए खेल गतिविधियों के आयोजन के विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सभी वर्गो के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा, जिला की स्थानीय समृद्ध लोक संस्कृति के प्रदर्शन सहित किन्नौर जिला से भी सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित किया जाएगा ताकि लोगों का अधिक से अधिक मनोरंजन किया जा सके।

उन्होंने बताया कि मिस लाहौल और मिस्टर लाहौल प्रतियोगिता भी करवाई जाएगी और विजेता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले स्थापित किये जाएँगे और सरस मेला व तम्बोला खेल भी आयोजित किया जाएगा।

पार्किंग स्थल 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2026 तक के लिए निविदा प्रक्रिया के माध्यम से ठेके पर दिया जाएगा

दिव्या दिल्ली-मनीष ठाकुर(कुल्लू)

उपमंडल अधिकारी बंजार के कार्यालय द्वारा मिनी सचिवालय भवन का पार्किंग स्थल 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2026 तक के लिए निविदा प्रक्रिया के माध्यम से ठेके पर दिया जाना है। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी दी कि पार्किंग के लिए इच्छुक बोलीदाता 23 जुलाई 2025 को दोपहर 1 बजे तक 25 हजार का बैंक ड्राफ्ट/अग्रिम राशि के साथ पूर्ण रूप से भरी हुई निविदा उपमंडल अधिकारी (ना०) कुल्लू के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त निविदाएं अमान्य मानी जाएंगी। सभी निविदाएं इसी दिन सायं 4 बजे खोली जाएंगी। निविदा हेतु मुख्य शर्तें इस प्रकार से रहेंगी। सफल बोलीदाता की अग्रिम राशि निविदा अवधि तक कार्यालय में बन्दूक अग्रिम राशी के रूप में जमा रहेगी। ठेके की शेष राशि हर तीन माह के भीतर नियत समय पर जमा करनी होगी, अन्यथा ठेका रद्द किया जा सकता है। मिनी सचिवालय धरातल मंजिल में पार्किंग की अनुमति केवल मिनी सचिवालय में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों की गाड़ियों के लिए होगी। पार्किंग स्थल व भवन के चारों ओर की सफाई व्यवस्था ठेकेदार द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

न्यूज फ्लैश

डाक विभाग ने मनाया सेवा भाव सप्ताह

दिव्या दिल्ली- प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

जिला कांगड़ा के तहत उप मंडल देहरा और ज्वाली के विभिन्न डाकघरों में सेवा भाव सप्ताह मनाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य डाक विभाग की बचत / बीमा / मेल / पार्सल / डिजिटल सशक्तिकरण योजनाओं से सभी आम नागरिकों को जोड़ना और सेवा भाव से लोगों के लिए काम करना है। देहरा और ज्वाली डाक उपमंडल द्वारा यह प्रतिष्ठित सप्ताह समुदाय की सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए समर्पित है। इस दौरान देहरा और ज्वाली डाक उपमंडल में व्यापक सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए कई तरह से पहल की गई है। इसमें जिले के भरमाड़ , फतेहपुर, राजा का तालाब , गरली , बनखंडी , ज्वालामुखी , प्राणपुर , चनौर , डाडासीबा , कोहला , मुहल और विभिन्न स्थानों पर डाक विभाग की टीमों द्वारा विशेष शिविरों, प्रतिष्ठित संस्थानों, पंचायतों और स्कूलों इत्यादि का दौरा किया गया। इस दौरे के दौरान डाक विभाग की विभिन्न प्रकार की योजनाओं से लोगों को अवगत कराया गया। देहरा और ज्वाली डाक उपमंडल के डाक निरक्षक राज कुमार ने बताया कि यह सेवा भाव सप्ताह प्रत्येक नागरिक को डाक विभाग से जोड़ने की दिशा में प्रथम कदम है।

शरीर के हर एक अंग को डिटॉक्स कैसे करें डॉ अर्चिता महाजन

दिव्या दिल्ली- विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर डॉ अर्चिता महाजन न्यूट्रिशन डाइटिशियन एवं ट्रेंड योगा टीचर नॉमिनेटेड फॉर पद्म भूषण राष्ट्रीय ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति मे बताया कि शरीर के हर एक अंग के कार्य की सफाई की बहुत जरूरत होती है। लसीका तंत्र प्रणाली शरीर से अपशिष्ट को बाहर निकालने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके कामकाज को बेहतर बनाने के लिए सुनिश्चित करें कि आप नियमित रूप से व्यायाम, पैदल चलना और योग अवश्य करे ' गहरी साँस लेने की तकनीक, ड्राई ब्रशिंग, रिबाउंडिंग और लिम्फ मसाज भी इसमें आजमा सकते हैं।किडनी को डिटॉक्स करने के कई प्राकृतिक तरीके हैं। इनमें हॉर्सटेल, अदरक, विटामिन बी6, ब्लैक चेरी कॉन्संट्रेट आदि जैसी जड़ी-बूटियाँ शामिल हैं। आप मैग्नीशियम, एप्पल साइडर विनेगर, एप्सम सॉल्ट बाथ, नींबू पानी आदि से भी लाभ उठा सकते हैं।कॉफी एनीमा कोलन और लीवर की सफाई के लिए एक उपयोगी तरीका है। साथ ही, सुनिश्चित करें कि नियमित रूप से आसुत और फ्लोराइड मुक्त पानी पीना चाहिए ' जैविक खाद्य पदार्थ खाते हैं या अधिक एलोवेरा पानी और नारियल का पानी पीते हैं व अधिक अदरक और लहसुन खाते हैं, और नियमित रूप से बेंटोनाइट मिट्टी और सक्रिय चारकोल का उपयोग करते हैं।अपने लिवर की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने और इस प्रकार विषाक्त पदार्थों को हटाने और उनके निस्पंदन को बढ़ावा देने के लिए, डंडेलियन रूट, बरडॉक रूट, मिल्क थीस्ल, लहसुन, किण्वित खाद्य पदार्थ, हल्दी और अरंडी के तेल जैसी शक्तिशाली जड़ी-बूटियों का चयन करें। लिवर से संबंधित किसी समस्या से पीड़ित लोगों के लिए तुलसी की चाय बहुत मददगार हो सकती है।काले अखरोट के छिलके, नागदौन, लौंग, दालचीनी, लहसुन, नारियल तेल, साइलियम भूसी, बेंटोनाइट मिट्टी और कॉफी एनीमा जैसे प्राकृतिक उपचार आंतों के कीड़ों और परजीवियों के खिलाफ व अपने शरीर से खतरनाक भारी धातुओं को बाहर निकालने के लिए, क्लोरेला, धनिया, गोभी, प्याज, लहसुन और ब्रसेल्स स्प्राउट्स जैसे उच्च सल्फर खाद्य पदार्थों जैसे प्राकृतिक चेलेटर का चयन करें। जिओलाइट मिट्टी और सक्रिय चारकोल बेहतरीन चेलेटर हैं।

सोलन शहर में पानी की समस्या विकराल हुई

दिव्या दिल्ली- सोलन

सोलन शहर में पानी की समस्या और विकराल हो गई है। जल शक्ति विभाग ने शनिवार को अचानक गिरी पेयजल योजन से पानी की आपूर्ति अचानक बंद कर दी। इसके कारण निगम को उन क्षेत्रों की पानी की आपूर्ति को बीच में रोकना पड़ा जहाँ पर 7 से 8 दिनों बाद पानी की आपूर्ति की जा रही थी। नगर निगम की मेयर ऊषा शर्मा ने इसका संज्ञान लेते हुए जल शक्ति विभाग के रऊ को तुरंत फोन कर गिरी नदी से पानी की आपूर्ति बंद करने के कारण को जाना..अब गिरी व अश्विनी दोनों पेयजल योजना से पानी की आपूर्ति शुरू हुई ही थी कि गिरी फिर अचानक बंद हो गई। अब फिर से जल संकट गहरा गया है।

बारिश के रेड अलर्ट के चलते डीसी ने ली जिला अधिकारियों की बैठक

दिव्या दिल्ली- (धर्मशाला)

रविवार को बारिश के रेड अलर्ट के मद्देनजर उपायुक्त की अध्यक्षता में हाई लेवल मीटिंग का आयोजन आज यहां किया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला में भारी बारिश के चलते किसी प्रकार का नुकसान न हो प्रशासन इसके लिए पूर्ण रूप से तैयारी में जुटा है।उन्होंने जिला वासियों से भी आग्रह किया है कि रेड अलर्ट एवं बरसात के मौसम के चलते कोई भी व्यक्ति नदी नालों एवं जोखिम भरे क्षेत्रों के नजदीक न जाए ताकि किसी भी प्रकार का कोई नुकसान मानव जीवन को न हो।बैरवा ने कहा कि रविवार को जिला में बारिश का रेड अलर्ट दिया गया है। उन्होंने कहा कि गत दिनों मनूनी खड्ड दुर्घटना एवं मंडी में हुए भारी नुकसान को ध्यान रखते हुए प्रशासन को मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। सभी समस्त प्रशासनिक अधिकारी एवं संबंधित विभाग किसी भी विकट परिस्थिति से पार पाने के लिए अपने से संबंधित मशीनरी एवं मैनपावर को तैयार रखें ऐसे निर्देश जारी किए गए हैं। जिला एवं उपमंडल स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम को चौबीसों घंटे एक्टिव रखा जाए यह निर्देश भी दिए गए हैं।

डाक विभाग द्वारा डिजिटल सेवा भाव सप्ताह के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दिव्या दिल्ली- विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर उप डाकघर में डिजिटल सेवा भाव सप्ताह के अंतर्गत विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आज आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों को इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (क्ढढइ) के लाभों की जानकारी दी गई तथा दुकानदारों को मर्चेंट क्यूआर कोड जारी किए गए, ताकि वे डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दे सकें। इसके अतिरिक्त, लोगों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ने हेतु ऑन स्पॉट क्ढढइ खाते खोले गए तथा विभाग की अन्य डिजिटल योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई भारत सरकार के आदेश पर देश के सभी पोस्ट ऑफिस व सब पोस्ट ऑफिस की हर शाखाओं में लोगों को सेवाभाव सप्ताह के तहत पोस्ट ऑफिस की बैंकिंग सेवा ऑन को आधुनिक तकनीकी के अनुसार जागरूक करने का कार्यक्रम आजकल देश के हर पोस्ट ऑफिस में चल रहा है ' लोगों से इस संपर्क की आड़ में पोस्ट ऑफिस में समस्त स्टाफ लोगों को नए खाते खोलने के लिए भी जागरूक कर रहा है' सेवा भाव सप्ताह इसका मुख्य उद्देश्य डाक विभाग की बचत / बीमा / मेल / पार्सल / डिजिटल सशक्तिकरण योजनाओं से सभी आम नागरिकों को जोड़ना और सेवा भाव से लोंगो के लिए काम करना है' इस दौरान क्षेत्र के सभी उपमंडलो में व्यापक सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए कई तरह से पहल की गई है' विभिन्न स्थानों पर डाक विभाग की टीमों द्वारा विशेष शिविरों, प्रतिष्ठित संस्थानों, पंचायतों और स्कूलों इत्यादि का दौरा किया गया। इस दौरे के दौरान डाक विभाग की विभिन्न प्रकार की योजनाओं से लोगों को अवगत कराया गया।इस मामले में क्षेत्र के सभी उपमंडल के डाक विभाग के लोगों ने बताया कि यह सेवा भाव सप्ताह प्रत्येक नागरिक को डाक विभाग से जोड़ने की दिशा में प्रथम कदम है।

मक्की व धान की फसल का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 15 जुलाई

दिव्या दिल्ली-अमरप्रीत सिंह (सोलन)

जिला सोलन में फसलों का बीमा करवाने के लिए पुर्नोत्थान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना क्रियान्वित की जा रही है। मक्की व धान की फसल का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 15 जुलाई, 2025 निर्धारित की गई है।यह जनाकरी कृषि उप निदेशक सोलन देव राज कश्यप ने दी। उन्होंने बताया कि टमाटर की फसल का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 निर्धारित की गई है। देव राज कश्यप ने कहा कि इच्छुक किसान फसलों का बीमा अपने नजदीकी लोकमित्र केन्द्र के माध्यम से करवा सकते हैं। किसान अपनी जमाबंदी, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, बिजाई प्रमाण पत्र आदि लेकर लोकमित्र केन्द्रों में जा कर बीमा करवा सकते है। किसान ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी बीमा के लिए आवेदन कर सकते हैं। उप निदेशक ने कहा कि मक्की व धान की फसल के लिए 60 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर बीमित राशि निर्धारित की गई है। मक्की तथा धान की फसल का बीमा करवाने के लिए किसानों को 96 रुपये प्रति बीघा प्रीमियम राशि अदा करनी होगी। उन्होंने कहा कि टमाटर की फसल के लिए 02 लाख रुपए प्रति हैक्टेयर बीमित राशि निर्धारित की गई है। किसानों को टमाटर की फसल के लिए 800 रुपए प्रति बीघा प्रीमियम राशि अदा करनी होगी। पुर्नोत्थान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत कम वर्षा, सूखा, बाढ़, सैलाब, भूमि कटाव, ओलावृष्टि और फसल कटाई के उपरांत दो सप्ताह तक होने वाले नुकसान तथा स्थानीयकृत आपदा को कवर किया जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री 07 जुलाई को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर

दिव्या दिल्ली- (सोलन)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल 07 जुलाई, 2025 को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर आ रहे हैं। डॉ. शांडिल 07 जुलाई, 2025 को दोपहर 12.30 बजे सोलन के चायल स्थित नागरिक अस्पताल का निरीक्षण करेंगे।स्वास्थ्य मंत्री तदोपरांत दिन में 1.30 बजे ग्राम पंचायत नगाली में पंचायत भवन का लोकार्पण करेंगे।

ब्रह्मपुर के गायक विक्की शर्मा का नया गीत मचा रहा धमाल

दिव्या दिल्ली-राम प्रकाश (सोलन)

गगरेट क्षेत्र के ब्रह्मपुर निवासी लोकप्रिय गायक विक्की शर्मा का नया गीत "मेरा शहर ओ ऊना नी" इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर धूम मचा रहा है। जैसे ही यह गीत फेसबुक पेज 'गगरेट हलचल' पर रिलीज हुआ, कुछ ही घंटों में हजारों लोगों ने इसे सुना, पसंद किया और सोशल मीडिया पर शेयर किया।गीत की मधुरता, भावनात्मक जुड़ाव और स्थानीयता की झलक ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। विक्की शर्मा अपनी सुरीली आवाज और अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं, और इससे पहले भी वे कई हिट गानों के जरिए श्रोताओं का दिल जीत चुके हैं।उनके लोकप्रिय गीतों की सूची में ळढ 19 वाले नू, बंदेया, नीलमा, बॉर्डर, यारियां, जोगी दे जाना, वे बावला, योगी दर्शन तेरे, अज्ज दी जवानी, यार कमीने और आ जा जोगिया जैसे भजन और गीत शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई है।स्थानीय कला और संस्कृति को मंच देने वाले विक्की शर्मा की यह नई पेशकश भी लोगों के बीच खासा पसंद की जा रही है। सोशल मीडिया पर बढ़ती लोकप्रियता इस बात की गवाह है कि श्रोताओं ने इस गाने को दिल से अपनाया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के 17 पदों के लिए साक्षात्कार 05 व 06 अगस्त को होंगे

दिव्या दिल्ली- (सोलन)

बाल विकास परियोजना सोलन के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदों की भर्ती के लिए साक्षात्कार 05 व 06 अगस्त, 2025 को आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी बाल परियोजना अधिकारी सोलन कविता गौतम ने दी।कविता गौतम ने कहा कि आंगनवाड़ी वृत्त सोलन ग्रामीण की ग्राम पंचायत सलोगड़ा के आंगनवाड़ी केन्द्र सलोगड़ा ग्रामीण, आंगनवाड़ी वृत्त सोलन ग्रामीण की ग्राम पंचायत बसाल के आंगनवाड़ी केन्द्र बावरा तथा आंगनवाड़ी वृत्त सोलन अर्बन के नगर निगम सोलन के आंगनवाड़ी केन्द्र सोलन गांव में एक-एक पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का भरा जाएगा। इसके लिए साक्षात्कार 05 अगस्त, 2025 को बाल विकास परियोजना अधिकारी सोलन के कार्यालय में प्रातः 10.30 बजे आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी वृत्त गम्बरपुर की ग्राम पंचायत जाडली के आंगनवाड़ी केन्द्र कन्यारा, आंगनवाड़ी वृत्त गम्बरपुर की ग्राम पंचायत जाबल-झमरोट के आंगनवाड़ी केन्द्र भरोल, आंगनवाड़ी वृत्त गम्बरपुल की ग्राम पंचायत जाबल-झमरोट के आंगनवाड़ी केन्द्र रोडकोटी, आंगनवाड़ी वृत्त कुमारहट्टी की ग्राम पंचायत सुल्तानपुर के आंगनवाड़ी केन्द्र घलियाणा, आंगनवाड़ी वृत्त कुमारहट्टी की ग्राम पंचायत चेवा के आंगनवाड़ी केन्द्र हिम्मतपुर तथा आंगनवाड़ी वृत्त सोलन ग्रामीण की ग्राम पंचायत पड़ग के आंगनवाड़ी केन्द्र दाउंसी में एक-एक पद आंगनवाड़ी सहायिका का भरा जाएगा। इसके लिए साक्षात्कार 05 अगस्त, 2025 को बाल विकास परियोजना अधिकारी सोलन के कार्यालय में प्रातः 10.30 बजे आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी वृत्त देवठी की ग्राम पंचायत डांगरी के आंगनवाड़ी केन्द्र कोठी देवरा, आंगनवाड़ी वृत्त ओच्छघाट की ग्राम पंचायत सन्होल के आंगनवाड़ी केन्द्र गलानग, आंगनवाड़ी वृत्त ओच्छघाट की ग्राम पंचायत कोठों के आंगनवाड़ी केन्द्र कोठों, आंगनवाड़ी वृत्त ओच्छघाट की ग्राम पंचायत शामती के आंगनवाड़ी केन्द्र कागुड़ी, आंगनवाड़ी वृत्त ओच्छघाट की ग्राम पंचायत नौणी के आंगनवाड़ी केन्द्र ऊंचा गांव, आंगनवाड़ी वृत्त ओच्छघाट की ग्राम पंचायत शमरोड़ के आंगनवाड़ी केन्द्र अम्बड़कोटी, आंगनवाड़ी वृत्त जौणाजी की ग्राम पंचायत सेरी के आंगनवाड़ी केन्द्र बजड़ोल तथा आंगनवाड़ी वृत्त जौणाजी की ग्राम पंचायत सेर बनेड़ा के आंगनवाड़ी केन्द्र सेर बनेड़ा में एक-एक पद आंगनवाड़ी सहायिका का भरा जाएगा। इसके लिए साक्षात्कार 06 अगस्त, 2025 को बाल विकास परियोजना अधिकारी सोलन के कार्यालय में प्रातः 10.30 बजे आयोजित किए जाएंगे।

सब-स्टेशन की एलटी लाइनों की मरम्मत एवं आवश्यक रखरखाव कार्य किया जाना

दिव्या दिल्ली- मनीष ठाकुर (कुल्लू)

विद्युत उपमंडल नं. 1 के अंतर्गत आउटर अखाड़ा स्थित 11/0.415 केवी, 400 के वीए सब-स्टेशन की एलटी लाइनों की मरम्मत एवं आवश्यक रखरखाव कार्य किया जाना है । सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सब-स्टेशन की एलटी लाइनों की मरम्मत के चलते 6 जुलाई (रविवार) को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक होटल कुल्लू वैली, होटल सिद्धार्थ, नवीन गेस्ट हाउस, हरिसन, आर्य समाज गली, सपना स्वीट्स, मित्र भूषण हार्डवेयर सहित आसपास के क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी

खनन प्रतिबंध' का उल्लंघन किया तो होगी सख्त कार्रवाई: विधायक मलेंद्र

दिव्या दिल्ली- विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश मे पंजाब राज्य की सीमा से जिला काँगड़ा मे नूरपुर, ज्वाली, इंदौरा और फतेहपुर क्षेत्रों में पहली जुलाई से 15 सितंबर तक खनन गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। नूरपुर स्थित खनन कार्यालय के तहत पड़ते क्षेत्र में 15 सितंबर तक खड्डों, नालों, नदियों, खनन पट्टों में खनन गतिविधियां

पूरी तरह से बंद रहेंगी।इस विषय मे

इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित खनन प्रतिबंध का यदि किसी ने उल्लंघन किया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है और नियमों का पालन अनिवार्य है। वर्षा ॠतु में खनन न केवल अवैध है बल्कि पर्यावरण के लिए भी घातक सिद्ध हो सकता है।"विधायक ने अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि क्षेत्र में सतत निगरानी रखी जाए और अवैध खनन की किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नालागढ़ के तहत जोगो का पुल भी अवैध खनन की भेंट चढ़ने को तैयार

दिव्या दिल्ली-(नालागढ़)

जब जोगो से स्वारघाट तक नेशनल हाईवे को मेंटेन किया गया तो इस पुल की तरफ ध्यान नहीं दिया गया और अब तो ये हालत है कि वैध खनन व अवैध खनन होने के चलते पुल के आस पास का डंगा पूरी तरह शतिग्रस्त हो गया है और पुल की हालत इतनी नाजुक हो गया है

नालागढ़ से स्वारघाट नेशनल हाईवे रोड पर जोगों का पुल की हालत खस्ता कभी भी तेज पानी के बहाव में बह सकता है पुल जानकारी के मुताबिक तकरीबन 40 साल पहले इस पुल का निर्माण किया गया था लेकिन उसके बाद जब जोगो से स्वारघाट तक नेशनल हाईवे को मेंटेन किया गया तो इस पुल की तरफ ध्यान नहीं दिया गया और अब तो ये हालत है कि वैध खनन व अवैध खनन होने के चलते पुल के आस पास का डंगा पूरी तरह शतिग्रस्त हो गया है और पुल की हालत इतनी नाजुक हो गया है कि कभी तेज पानी के बहाव से यह पुल बह सकता है।ग्रामीणों का कहना है कि पुल काफी पुराना है इसकी मुरम्मत भी करवायी गई लेकिन वह कामयाब नहीं हुई और दिन रात पुल के नीचे नदी में लगातार माइनिंग हो रही है उन्होंने कहा कि प्रशासन की तरफ से वैध माइनिंग भी करवायी जा रही है लेकिन ज्यादातार यहाँ अवैध माइनिंग हो रही है और रात के समय रोजाना जेसीवी मशीन व टिप्परों से माइनिंग की जा रही है जिससे पुल की बुनियाद कमजोर हो गई है और जो पुल को सहारा देने के लिए डंगा लगाया गया वो भी शत्रीग्रस्त हो गया है अब कभी भी यह पुल टूट सकता है जिससे नालागढ़ स्वारघाट का संपर्क टूट जाएगा और लोगो को पंजाब से होकर जाना पड़ेगा उन्होंने कहा माइनिंग विभाग बिल्कुल भी यहाँ ध्यान नहीं दे रहा है जिसके चलते खनन करने वालो के हौसले बुलंद है

जैकलीन फर्नांडिस

को 200 करोड़ के मनी लॉन्डरिंग केस में राहत नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें मनी लॉन्डरिंग केस में कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. उन्हें सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्डरिंग केस में राहत नहीं मिल पा रही है. मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में श्वष्ठ की ओर से दर्ज स्नङ्क्रऔर चार्जशीट को जैकलीन ने चुनौती दी थी और इस केस को बंद करने की मांग की थी. मगर जैकलीन की याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है.ईडी ने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ की लॉन्ड्रिंग के मामले में जैकलीन को आरोपी बनाया है. ED ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक अतीत की जानकारी होने के बावजूद जैकलीन उससे महंगे गिफ्ट आभूषण वगैरह ले रही थीं. इस मामले में जैकलीन को पूछताछ के लिए भी बुलाया जा चुका है. लेकिन एक्ट्रेस का ऐसा मानना है कि उन्हें इस मामले में गलत फंसाया जा रहा है और उनका सुकेश चंद्रशेखर के साथ भी कोई रिलेशन कभी नहीं रहा है.

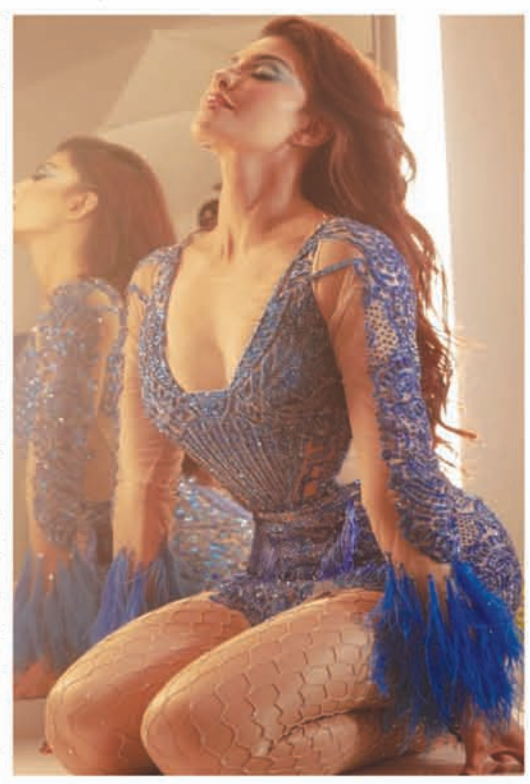

जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी सफाई में क्या कहा ?

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की बात करें तो उन्होंने अपनी सफाई में कहा था कि उन्हें जानबूझकर इस मामले में फंसाया गया है और उनके ऊपर लगाए गए सारे आरोप झूठे हैं. एक्ट्रेस के मुताबिक सुकेश चंद्रशेखर और अदिति सिंह ने उनके साथ धोखाधड़ी की है. वे कभी भी सुकेश के साथ किसी रिलेशनशिप में नहीं रही हैं.

क्या है जैकलीन से जुड़ा पूरा मामला ?

इस मामले की बात करें तो साल 2021 में ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ 200 करोड़ रुपए की मनी लॉन्डरिंग का मामला सामने आया था. जांच में ये भी सामने आया था कि सुकेश के कई स्टार्स के साथ भी कनेक्शन हैं जिन्हें उसने महंगे गिफ्ट्स भी दिए थे. इसी दौरान जैकलीन फर्नांडिस समेत कुछ और स्टार्स का नाम भी सामने आया था. इसके बाद से ही जैकलीन निशाने पर हैं और उन्हें इस केस से छुटकारा नहीं मिल पाया है.

वर्क फ्रंट पर क्या कर रहीं जैकलीन ?

हालांकि इन सब चुनौतियों के बाद भी एक्ट्रेस वर्क फ्रंट पर सामंजस्य बनाने की कोशिश कर रही हैं. एक्ट्रेस की पिछली फिल्म हाउसफुल 5 थी. वहीं साल 2025 में वे अब तक रेड 2 और फतेह जैसी फिल्मों का हिस्सा बन चुकी हैं. फिलहाल वे वेल्कम टू द जंगल फिल्म का हिस्सा हैं.

यहां दाल नहीं गलने वाली...

तेजस्वी प्रकाश

संग रिश्ते को 'नकली' कहने वालों पर भड़के करण कुंद्रा

टीवी के पॉपुलर एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश का रिश्ता साल 2021 से लगातार सुर्खियों में है. 4 साल पहले 'बिग बॉस 15' के घर में शुरू हुई इनकी लव स्टोरी घर के बाहर भी टिकी हुई है और फैंस इन्हें प्यार से 'तेजरन' कहकर बुलाते हैं. लेकिन हाल ही में कुछ सोशल मीडिया हैंडल और यूट्यूब चैनलों ने उनके रिश्ते को 'फर्जी' बताकर करण पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर को धोखा देने का आरोप लगाया. अक्सर इस तरह की खबरों को इग्नोर करने वाले करण कुंद्रा ने इस बार उनकी निजी जिंदगी को लेकर गलत खबरें फैलाने वालों की जमकर क्लास लगाई है.

करण कुंद्रा ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया हैंडल के थंबनेल के स्क्रीनशॉट शेयर किए. इन थंबनेल में तेजस्वी प्रकाश के साथ उनके रिश्ते को 'फेक और नकली दिखाया जा रहा था और साथ ही इनमें से कुछ वीडियो में करण कुंद्रा पर ये आरोप भी लगाए गए थे कि उन्होंने अतीत में बिग बॉस में अपने एक को-स्टार को गाली दी थी और थप्पड़ भी मारा था. इन ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए करण ने लिखा, 'थोड़ा और पैसा लगाओ तुम लोगज्यहां तो दाल गल नहीं रही है तुम्हारी.'

गॉसिप फैलाने वालों पर फूटा करण का गुस्सा

करण ने एक्स (पहले ट्विटर) पर अपने कई फैंस को जवाब देते हुए ये भी साफ किया कि उनके बारे में गलत खबरें फैलाने वाले कोई मीडिया न्यूज पेज या चैनल नहीं हैं, बल्कि सिर्फ पैसे के लिए झूठी खबरें लोगों में फैलाने वाले गॉसिप मॉन्गर्स हैं. उन्होंने लिखा, 'करेक्शन .. ये कोई मीडिया पेज नहीं हैंज्ये पेज पैसे के लिए ऐसा करते रहते हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'दरअसल मैं इन लोगों के लिए एक गो-फंड-मी शुरू करने के बारे में सोच रहा हूं, क्योंकि ये सभी बेचारे बहुत कम बजट वाले पेजों को ही इस तरह की खबरें फैलाने के लिए पे (भुगतान) कर रहे हैं.. बहुत ही दुखद है'

शादी की झूठी खबरों पर भी तोड़ी थी चुप्पी

ये पहली बार नहीं है जब सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले करण ने अपने रिश्ते को लेकर उड़ रही अफवाहों पर बात की हो. 3 महीने पहले अप्रैल में करण ने उनके और तेजस्वी के नेटफ्लिक्स के 'दुबई ब्लिंग' के आने वाले सीजन में शादी करने की खबर का खंडन किया था. उन्होंने कहा था कि 'मैं अब इन बातों से तंग आ गया हूं', मैं सभी टैबलॉयड से कहना चाहता हूं कि आप इस साल या फिर अगले साल मेरी शादी करवा देंगे, फिर आप में से कुछ लोग एक रियलिटी शो में मेरी सगाई का ऐलान भी कर देंगे, सिर्फ इसलिए क्योंकि हम इस समय दुबई में हैं. मैं ये भी समझता हूं कि इस तरह की खबरों से आपको बहुत सारे नंबर मिल जाते हैं.

22 साल पुरानी वो फिल्म, जिसमें अक्षय कुमार की जिद पर हुई करीना कपूर की एंट्री, मेकर्स को लगा करोड़ों का चूना

अक्षय कुमार सालभर फिल्में रिलीज करने के लिए जाने जाते हैं. हर साल उनकी 3-4 फिल्में आसानी से रिलीज हो ही जाती हैं. हाल ही में पूर्व सीबीएफसी प्रमुख और फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी ने अक्षय कुमार की 22 साल पुरानी एक फ्लॉप फिल्म की कास्टिंग को लेकर खुलासा किया. उन्होंने बताया की कैसे अक्षय के जोर देने पर उस फिल्म में यंग करीना कपूर को साइन किया गया था. फिल्ममेकर ने बॉलीवुड कास्टिंग को लेकर भी खुलकर बात की.पूर्व सीबीएफसी प्रमुख पहलाज निहलानी ने बॉलीवुड कास्टिंग के बदलते तौर-तरीकों और बढ़ते बजट के बारे में अपने विचार शेयर किए. यूट्यूब चैनल लर्न फ्रॉम द लीजेंड पर बात करते हुए उन्होंने 2003 की फिल्म तलाश- द हंट बिगिन्स के निर्माण के दौरान के एक पल को याद किया, जब अक्षय कुमार ने जोर देकर कहा था कि करीना कपूर को लीड रोल में लिया जाए.

अक्षय ने मेकर्स के सामने रखी थी ये शर्त

पहलाज निहलानी ने बताया कि कैसे कास्टिंग का फैसला पूरी तरह से डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स के अधिकार क्षेत्र में होता था, जिसमें एक्टर्स शायद ही कभी शामिल होते थे. उन्होंने कहा, पहले, निर्माता और निर्देशक कास्टिंग करते थे और हीरो कास्टिंग में नहीं बोला करते थे. मेरे साथ कास्टिंग में इंटरफेयर करने वाले पहले एक्टर अक्षय कुमार थे और फिल्म 2002 में 'तलाश' थी. उन्होंने मुझसे कहा कि हम कल फिल्म शुरू कर सकते हैं, और आप मुझे जो भी अमाउंट देना चाहें दे सकते हैं, लेकिन इस फिल्म की हीरोइन करीना कपूर होंगी.

साल की सबसे महंगी फिल्म थी 'तलाश'

फिल्ममेकर ने बताया कि यह 'तलाश' उस समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी, इसे 22 करोड़ रुपये में बनाया गया था. यह उनके करियर में पहली बार था जब किसी एक्टर ने एक फिक्स एक्ट्रेस की मांग की थी.

पहलाज निहलानी ने बताया कि अक्षय का वो फैसला इमेज को लेकर था. उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए बताया, कभी-कभी, जैसे-जैसे एक्टर्स बूढ़े होते जाते हैं, वे यंग एक्ट्रेसेस के साथ एक्टिंग करना चाहते हैं ताकि उनकी खुद की उम्र कम दिखे. यह पहली बार था जब मैंने ऐसा सुना, लेकिन इन दिनों एक्टर्स ही सब कुछ तय करते हैं और निर्माता कूरियर सेवा के रूप में काम करते हैं. बता दें, 'तलाश' पर फ्लॉप साबित हुई थी.

1200 करोड़ छापने वाला सुपरस्टार, जिसे आलिया भट्ट ने एक नहीं, तीन बार ठुकरा दिया!

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्मों की तैयारियों में बिजी हैं. यूं तो अपनी एक्टिंग और सफलता के चलते काफी डिमांड में हैं. पर एक्ट्रेस का पूरा फोकस इस समय आने वाली फिल्मों पर हैं. जल्द YRF स्पाई यूनिवर्स की ALPHA में दिखेंगी. जिसके लिए फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं. वैसे तो आलिया भट्ट ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. इसी बीच आलिया साउथ के एक बड़े एक्टर को लेकर चर्चा में हैं. कहा जा रहा है कि उन्होंने तीन बार उनके अपोजिट ऑफर हुई फिल्म को ठुकराया दिया.आलिया भट्ट को साल 2022 में एसएस राजामौली की फिल्म में देखा गया था. RRR में एक्ट्रेस का कैमियो था, जहां वो राम चरण के साथ दिखी थीं. हालांकि, फिर ऐसे चर्चे हैं कि वो फहाद फाजिल के साथ काम करती नजर आएंगी.

आलिया ने 1200 करोड़ी एक्टर को ठुकराया ?

हाल ही में cinejosh पर एक रिपोर्ट छपी. इसके मुताबिक, आलिया भट्ट ने जूनियर NTR को एक बार नहीं, बल्कि तीन बार रिजेक्ट किया है. ऐसी चर्चा है कि एक्ट्रेस को उनके अपोजिट तीन बार काम करने का ऑफर मिला था. पर वो मना करती चली गई. हालांकि, इसके पीछे वजह पर्सनल नहीं, प्रोफेशनल है. कभी रोल पसंद न आना, तो कभी सेकंड हीरोइन का रोल ऑफर होने पर उन्होंने न कह दिया. कहा जा रहा है कि कहानी पसंद न आने की वजह से भी एक्ट्रेस ने मना किया था.

हालांकि, जूनियर एनटीआर को तीन बार ठुकराना बड़ी बात है. जिसने सभी फैन्स को हैरान कर दिया है. लोग चाहते हैं कि आलिया भट्ट भी जल्द जूनियर एनटीआर के अपोजिट दिखे. दरअसल जूनियर एनटीआर और राम चरण काफी अच्छे दोस्त हैं. और राम चरण की आलिया से भी अच्छी बॉन्डिंग है, लेकिन देखना होगा कि यह हो पाता है या नहीं.

इन फिल्मों से धूम मचाएंगे

जूनियर एनटीआर की पिछली फिल्म 'देवरा' थी, जो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी. अब बारी है 'वॉर 2' की, जो 14 अगस्त को रिलीज होगी. ऋतिक रोशन की फिल्म में वो विलेन बनने वाले हैं. वहीं इसके बाद प्रशांत नील के साथ एक पिक्चर में धमाल मचाते नजर आएंगे. हालांकि, आगे भी कई और डायरेक्टर्स से उनकी बातचीत चल रही है. हालांकि, देवरा से पहले ऋऋऋ में दिखे थे, जिसने दुनियाभर से 1200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था.

भारत बना मेडिकल टूरिज्म और फार्मा रिसर्च का वैश्विक केंद्र : ओम

'भारत की चिकित्सा व्यवस्था आज विश्व में विश्वसनीयता के कारण नई पहचान बना रही

आधुनिक दौर में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और शोध को प्राथमिकता मिलनी चाहिए

नई दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत की चिकित्सा व्यवस्था आज विश्व में अपनी गुणवत्ता, सुलभता और विश्वसनीयता के कारण नई पहचान बना रही है। वे शनिवार को नई दिल्ली में इनोवेटिव फिजिशियन फोरम (आईपीएफ) द्वारा आयोजित 7वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईपीएफ मेडिकॉन-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बिरला ने कहा कि यह विज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और नैनो साइंस जैसे क्षेत्रों में हो रहे तीव्र विकास ने न केवल चिकित्सा अनुसंधान बल्कि उपचार की पद्धतियों को भी अधिक सटीक, प्रभावशाली और कुशल बना दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक दौर में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और शोध को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

उन्होंने भारत की चिकित्सा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह न केवल उच्च गुणवत्ता वाली है, बल्कि किफायती और सभी के लिए सुलभ भी है। बिरला ने कहा, हमारे डॉक्टर अपनी मेहनत और विशेषज्ञता से वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, इसी का परिणाम है कि आज भारत मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

दुनिया के अनेक देशों से मरीज इलाज के लिए भारत का रुख कर रहे हैं।

भारत के फार्मा सेक्टर की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता और नवाचार की भावना ने ही भारत को फार्मास्यूटिकल और बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों, शोधकता$ओं और चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सबने स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं।

आईपीएफ मेडिकॉन-2025 सम्मेलन की सराहना करते हुए बिरला ने आशा जताई कि इन दो दिनों के विचार-विमर्श और अनुभवों के आदान-प्रदान से चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे मिलकर एक स्वस्थ, सशक्त और निरोगी भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करें।

सम्मेलन में नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया और यूनाइटेड किंगडम से आए मेडिकल प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर सांसद कमलजीत सेहरावत भी उपस्थित रहीं।

बिहार मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली/एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में एसआईआर के लिए जारी आदेश को रद्द करने की मांग की है। एडीआर की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने याचिका दाखिल कर कहा है कि निर्वाचन आयोग का ये आदेश मनमाना है। याचिका में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग का ये आदेश संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 32 और 326 के साथ साथ जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन है। निर्वाचन आयोग का ये आदेश मतदाता पंजीकरण नियम के नियम 21ए का भी उल्लंघन करता है।

याचिका में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग का आदेश न सिर्फ मनमाना है बल्कि ये उचित प्रक्रिया के बगैर जारी किया गया है। इससे लाखों मतदाता मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। निर्वाचन आयोग के इस कदम से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बाधित होगा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए अनुचित रुप से काफी कम समय-सीमा रखी गयी है क्योंकि राज्य में ऐसे लाखों नागरिक हैं जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे और जिनके पास विशेष गहन पुनरीक्षण के आदेश के तहत मांगे गए दस्तावेज नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि कुछ लोग इन दस्तावेजों को प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं, लेकिन विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए काफी कम समय-सीमा होने के चलते उन्हें समय पर ऐसा करने से रोक सकती है। याचिका में कहा गया है कि बिहार एक ऐसा राज्य है जहां गरीबी और पलायन उच्च स्तर पर है और यहां एक बड़ी आबादी के पास जन्म प्रमाण पत्र या अपने माता-पिता के रिकॉर्ड जैसे जरुरी दस्तावेज नहीं हैं। बिहार में इस तरह का अंतिम पुनरीक्षण 2003 में किया गया था।

यूपी की सभी गोशालाओं में गोपाल वन स्थापित करेगी योगी सरकार

लखनऊ/एजेंसी

पौधरोपण महाभियान-2025 के अंतर्गत 9 जुलाई (बुधवार) को मुख्य आयोजन होगा। योगी सरकार इस दिन भी नया इतिहास रचने जा रही है। योगी सरकार की तरफ से इस विशेष दिन पर 37 करोड़ से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अनेक नए वनों की स्थापना के साथ ही सरकार गोपाल वन की भी स्थापना करेगी। यह वन यूपी के सभी गोशालाओं में स्थापित किया जाएगा। गोशाला में छायादार व चारा प्रजाति के पौध लगाने के निर्देश दिए गए हैं। गोपाल वन की स्थापना में मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की मुहिम से संत समाज व गोपालक भी जुड़ गए हैं।

यूपी को संवार रही योगी की वन नीति

योगी आदित्यनाथ की वन नीति न सिर्फ यूपी को संवार रही है, बल्कि राजनीति करने वालों को आईना भी दिखा रही है। जिस प्रदेश में कभी 5 करोड़ पौधे नहीं मिलते थे। उस प्रदेश में योगी सरकार ने 2025 महाभियान के तहत 52.43 करोड़ पौधे तैयार कराए हैं। इसमें से 37 करोड़ पौधे यूपी में लगाए जाएंगे। योगी सरकार के कार्यों का ही परिणाम है कि 2017 के पश्चात अब तक 204.92 करोड़ पौधे लगाए गए हैं।

ग्रीन वेव की तरफ बढ़ रहा उत्तर प्रदेश हरित आवरण में देश में दूसरे स्थान पर है। यही नहीं, यूपी की हवा को शुद्ध करने के साथ ही योगी सरकार जंतु-जानवरों की तरफ भी पूर ध्यान दे रही है। इसी को देखते हुए गोपाल वन की स्थापना कराई जा रही है।

7608 गोआश्रय स्थलों में स्थापित होगा गोपाल वन

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 6613 अस्थायी गोआश्रय स्थल, 387 वृहद गोसंरक्षण केंद्र, 305 कांजी हाउस तथा शहरी क्षेत्र में 303 कान्हा गोआश्रय स्थल सहित कुल 7608 गोआश्रय स्थल संचालित हैं। इन सभी स्थलों में गोपाल वन की स्थापना भी की जाएगी। पूरे वर्षकाल में यहां भी पौधरोपण किया जाएगा। साथ ही इसके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

पीएम श्री स्कूल में शिक्षा संवाद आयोजित

दिव्य दिल्ली : दौलत चौहान (ज्वाली कांगडा)

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गुगलाडा में शनिवार को शिक्षा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के प्रधान संजय राणा ने की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों के अभिभावकों के बीच संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम में अध्यापकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, उपस्थिति और अन्य गतिविधियों की जानकारी अभिभावकों के साथ साझा की। शिक्षकों ने अभिभावकों को सुझाव दिए कि वे अपने बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें और समय-समय पर विद्यालय से संपर्क बनाए रखें ताकि बच्चों की सर्वांगीण प्रगति सुनिश्चित हो सके।

भारी बारिश के रेड अलर्ट पर ज्वाली प्रशासन अलर्ट मोड में, अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी"

दिव्य दिल्ली : दौलत चौहान (ज्वाली कांगडा)

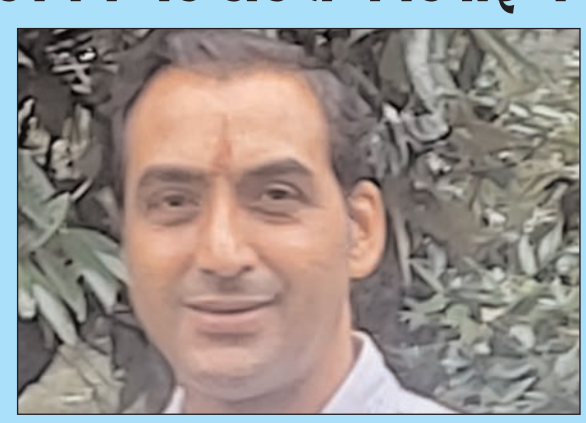

प्रदेश में भारी बारिश के रेड अलर्ट के मद्देनजर ज्वाली प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कार्यकारी एसडीएम विकास जमवाल ने सब-डिवीजन के लोगों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान नदी-नालों के समीप न जाएं और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें।उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने विशेष भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, ऐसे में लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने विशेष रूप से आग्रह किया कि लोग अनावश्यक यात्रा से परहेज करें और प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें। एसडीएम ने बताया कि प्रशासन के बार-बार अनुरोध के बावजूद कुछ ट्रैक्टर चालक खड्डों में अवैध खनन करते पाए जा रहे हैं, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि जान जोखिम में डालने जैसा है। उन्होंने चेतावनी दी कि बारिश के मौसम में खड्डों में खनन करना पूरी तरह प्रतिबंधित है और जो भी चालक इस आदेश की अवहेलना करेगा, उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। ज्वाली प्रशासन जल्द ही विशेष चैकिंग अभियान शुरू करेगा। इस दौरान यदि कोई ट्रैक्टर चालक खड्डों में खनन करता पाया गया, तो उसका मौके पर चालान किया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन या आपदा नियंत्रण केंद्र को सूचित करें, ताकि समय रहते मदद पहुंचाई जा सके।

डायबिटीज व बीपी के मरीजों को कार्डिक अरेस्ट का खतरा ज्यादा: डॉ कविता

दिव्या दिल्ली

देश में आजकल कार्डियक अरेस्ट के मामले लगातार बढ़ रहे हैं यह कार्डियक अरेस्ट क्या होता है इस बारे जानकारी देते हुए सर गंगा राम अस्पताल नई दिल्ली की वरिष्ठ हार्ट रोग विषयज्ञ डॉ कविता त्यागी ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट एक ऐसी गंभीर स्थिति होती है जिसमें दिल की धड़कन अचानक बंद हो जाती है। इस बीमारी को साइलेंट हार्ट अटैक भी कहते हैं। ये एक प्रकार का दिल का रोग है जिसमें हार्ट को ब्लड सप्लाई होने में मुश्किल होती है। कार्डियक अरेस्ट में इंसान के दिल में ब्लड पंप होना बंद कर देता है जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हालांकि, इसके अधिकतर मामलों में इंसान बेहोश हो जाता है। इससे शरीर के बाकी अंगों तक खून पहुंचना रुक जाता है, जिससे कुछ ही मिनटों में व्यक्ति की जान जा सकती है। कोरोना महामारी के बाद से ऐसे मामलों में वैश्विक स्तर पर वृद्धि देखी गई है।डॉ कविता ने बताया कि किसी को थकान होना आम बात है, लेकिन थकान अगर लंबे समय तक बनी रहे तो यह दिल की बीमारी का शुरूआती संकेत हो सकती। महिलाओं में ऐसे संकेत ज्यादा दिखाई देते हैं। इसके अलावा छाती में हल्का दर्द महसूस होना, सांस लेने में तकलीफ, सुस्ती महसूस करना, घबराहट, हाई बीपी और ठंडे पसीने जैसे लक्षण दिख सकते हैं। कार्डियक अरेस्ट होने पर सबसे पहले बेहोशी होती है और इंसान अचानक गिर जाता है। उन्होंने बताया कि डायबिटीज व बीपी मरीजों को कार्डिक अरेस्ट का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है इस लिए ऐसे मरीजों को विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए तथा नियमित अपने बीपी व डायबिटीज पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने बताया इस बीमारी से बचने के लिए अपनी डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान दें। धूम्रपान और शराब के सेवन से बचें। ज्यादा स्ट्रेस लेने से बचें और पर्याप्त नींद लें। स्वस्थ और संतुलित आहार खाएं, रोजाना एक्सरसाइज करें तथा वेट को मेंटेन रखें। अपने बीपी और शुगर पर ध्यान दें, समय-समय पर इन्हें चेक करते रहें। साल में दो तीन बार फुल बॉडी चेकअप करवाएं। सुखासन, वज्रासन, वृक्षासन और योग मुद्रा को रोजाना करने से कार्डियक समेत कई हार्ट डिजीज से बचा जा सकता है।

तख्त श्री पटना साहिब ने सुखबीर बादल को तनखैया घोषित किया

चंडीगढ़/एजेंसी

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब ने तनखैया घोषित किया है। तख्त से पंज प्यारों ने यह आदेश शनिवार को जारी किया। पटना साहिब से सुनाए गए इस फैसले का सीधा असर पंजाब की राजनीति पर हुआ है। सुखबीर बादल विरोधियों ने उन्हें फिर से घेरना शुरू कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि सुखबीर बादल को 2 बार अपना स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया गया था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद ये फैसला लिया गया। तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के फैसले के मुताबिक सुखबीर बादल ने सिद्धांतों, मयार्दाओं और पंज प्यारों के आदेशों का उल्लंघन किया। तख्त की प्रबंधक समिति के अधिकारों में दखल दिया है। 9 और 10 मई, 2023 को समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों को खुली चुनौती दी। पंज प्यारे सिंह साहिबों की जांच में स्पष्ट हुआ है कि इस साजिश में सुखबीर बादल की भी अहम भूमिका रही। पंज प्यारों ने 21 मई और 1 जून को सुखबीर बादल को अपना पक्ष रखने के लिए मौके दिए, लेकिन दोनों ही दिन वे तख्त के समक्ष पेश नहीं हुए।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथगोले और गोला-बारूद बरामद

पुंछ/एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ के उपजिला सुरनकोट में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड कर हथगोले, गोला-बारूद समेत अन्य सामग्री बरामद की है।

यह बरामदगी बेहरामगला के पास मरहा इलाके में की गई जहां पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया। अधिकारियों के मुताबिक आतंकी ठिकाने की तलाशी में तीन हथगोले, बीस गोलियां, वायर कटर, चाकू, चार्जिंग केबल और बैटरी जब्त की गई। तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

शाशुर छेचू उत्सव: उपायुक्त किरण भड़ाना ने उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

दिव्या दिल्ली- रंजीत लाहुली (केलांग)

बौद्ध संस्कृति और परंपराओं को समर्पित दो दिवसीय शाशुर छेचू उत्सव का शुभारंभ आज ऐतिहासिक शाशुर गोम्पा, केलांग में धार्मिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ हुआ। उपायुक्त लाहौल स्पीति किरण भड़ाना (भा.प्र.से) ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शाशुर छेचू उत्सव बौद्ध संस्कृति की अनुपम छटा और पारंपरिक आस्था का संगम व समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और पारंपरिक जनजीवन का अद्भुत परिचायक बनकर उभरा है। उन्होंने घाटी के समस्त बुद्धिस्ट समाज को इस उत्सव की हार्दिक बधाई दी। गोम्पा के भंडारी नवांग उपासक द्वारा उपायुक्त किरण भड़ाना का पारंपरिक खतक पहनाकर स्वागत एवं सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि यह उत्सव बौद्ध गुरु पद्मसंभव (गुरु रिंपोछे) के जन्मदिवस की स्मृति में प्रत्येक वर्ष श्रद्धा व आस्था से मनाया जाता है। उत्सव के पहले दिन गोम्पा परिसर में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा पवित्र छम नृत्य (मुखौटों सहित पारंपरिक अनुष्ठानिक नृत्य) प्रस्तुत किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत और आत्मिक शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। दूसरे दिन, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा देवा गेच्छो की पूजा के साथ पारंपरिक शेणी नृत्य का आयोजन होगा, जिसमें रंग-बिरंगे वस्त्रों में सजे श्रद्धालु आनंदपूर्वक भाग लेंगे। इस अवसर पर गोम्पा भंडारी नवांग उपासक ने उपायुक्त के समक्ष गोम्पा परिसर के समग्र विकास हेतु कई आवश्यक मांगें रखीं, जिनमें छम्म मैदान का विस्तार, संपर्क मार्ग का सुधार, भिक्षुओं के लिए आवासीय सुविधाओं का विकास तथा गोम्पा की छत का जीर्णोद्धार शामिल है। मुख्य अतिथि किरण भड़ाना ने इन सभी मांगों को सहानुभूतिपूर्वक सुनते हुए आश्वस्त किया कि बौद्ध संस्कृति और धार्मिक स्थलों के संरक्षण व संवर्धन हेतु शाशुर गोम्पा के विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर बुद्धिस्ट डेवलपमेंट प्लान के अंतर्गत लिया जाएगा। उत्सव के दौरान गोम्पा कमेटी केलांग द्वारा सभी श्रद्धालुओं व पर्यटकों हेतु भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी की गई, जिससे उपस्थित जनों ने बौद्ध आतिथ्य की आत्मीयता का अनुभव किया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397